Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 355
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 30 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

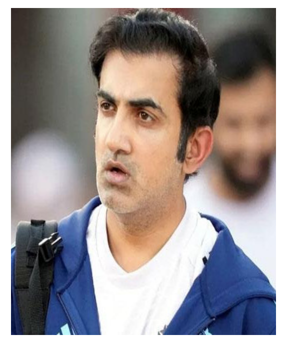

3 मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए साथ आए...
4 डिजिटल संसार में सेहत के जोखिम : भारत...
7 इन दोनों में से किसी को मिल सकती है ...

संक्षिप्त न्यूज

देहरादून में छात्र की हत्या पर गुस्सा, CM धामी ने कहा- उपद्रवी तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा, नेपाल में तलाशी जारी

देहरादून। त्रिपुरा में दुख और गुस्से का माहौल था, जब उत्तराखंड के देहरादून ज़िले में बेरहमी से हमला किए जाने के बाद मारे गए एक युवा आदिवासी छात्र का शव राज्य में वापस लाया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नस्लीय हमले में त्रिपुरा के छात्र की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और आरोपियों में से एक, जो अभी फरार है, उसे जल्द ही हिरासत में ले लिया जाएगा। त्रिपुरा के उनाकोटी ज़िले के नंदनगर के रहने वाले 24 साल के एमबीए फाइनल ईयर के छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में एक नस्लीय हमले में चाकू लगने से मौत हो गई। 9 दिसंबर को एंजेल और उसके छोटे भाई माइकल को कुछ लोगों के एक ग्रुप ने रोका, जिन्होंने कथित तौर पर उन पर नस्लीय टिप्पणियां कीं, जिसके बाद एक स्थानीय बाज़ार में झगड़ा हुआ।

उत्तराखंड पुलिस ने देहरादून में पढ़ रहे त्रिपुरा के एक छात्र की हत्या में शामिल छठे आरोपी को पकड़ने के लिए अपनी टीम नेपाल भेजी है। पीड़ित की पहचान 24 साल के एंजेल चकमा के रूप में हुई है, जो त्रिपुरा के उनाकोटी जिले का रहने वाला था और अपने छोटे भाई माइकल के साथ देहरादून के एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में MBA की पढ़ाई कर रहा था।

छह आरोपियों में से पांच को पकड़ लिया गया है, लेकिन नेपाल के कंचनपुर जिले का रहने वाला यज्ञराज अवस्थी फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया है और उसे ट्रैक करने के लिए नेपाल एक टीम भेजी है।

एंजेल की हत्या को लेकर बढ़ते गुस्से के बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

असम चुनाव से पहले अमित साह ने उठाया घुसपैठ का मुद्दा

बोले- 'एक मौका और दें हर घुसपैठिया होगा बाहर'

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम की जनता को संबोधित करते हुए आह्वान किया। उन्होंने राज्य के लोगों से अपील की कि वे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग सोच-समझकर करें। शाह ने चुनावों को लेकर कहा कि जनता को एक ऐसी सरकार चुननी चाहिए जो राज्य में घुसपैठ की समस्या के खिलाफ सख्ती से काम करे और असम के विकास को प्राथमिकता दे।

गृह मंत्री ने क्या कहा?

गृह मंत्री ने दावा किया कि असम ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। उन्होंने कहा 'राज्य में पिछले दस वर्षों से चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार और केंद्र में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के ग्यारह वर्षों के कार्यकाल में असम ने अभूतपूर्व प्रगति की है।

यहां 5,000 सीटों वाले सभागार का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा, 'अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले चुनावों में ऐसी सरकार चुनें जो घुसपैठ न होने दे और असम की उन्नति के लिए कार्य करे।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकारों के नेतृत्व में असम में बहुत विकास हुआ है। भाजपा को पांच वर्ष का आशीर्वाद और दें, हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे वापस भेज दिया जाएगा।'

गृह मंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए राज्य में घुसपैठ की समस्या के लिए उसे दोषी ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया, 'वोटों के लालचमें कांग्रेस ने घुसपैठ को बढ़ावा दिया, जिसने आज असम की पहचान के लिए खतरा पैदा कर दिया है।'

शाह ने जोर देकर कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अब राज्य के 'सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण' के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जिस 'ज्योति-बिष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर' का उद्घाटन हुआ है, वह राज्य के विकास का प्रतीक है।

नमो भारत कॉरिडोर की सुरक्षा में यूपी एसएसएफ को मिलेगा सीआईएसएफ का 'कवच', शुरू हुआ विशेष प्रशिक्षण

नई दिल्ली। भारत की अगली पीढ़ी के तीव्र पारगमन अवसंरचना के लिए सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अंतर्गत नमो भारत कॉरिडोर पर तैनात किए जाने वाले उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपी एसएसएफ) के कर्मियों के लिए छह दिवसीय विशेष एक्स-बीआईएस और सुरक्षा उपकरण संचालन पाठ्यक्रम शुरू किया है।

उद्घाटन बैच में कमांडेंट रैंक के एक अधिकारी सहित कुल 40 यूपी एसएसएफ कर्मी भाग ले रहे हैं। एनसीआरटीसी ने शुरू में 240 कर्मियों के प्रशिक्षण का अनुरोध किया है, जो नमो भारत कॉरिडोर के विशाल आकार और रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। नमो भारत कॉरिडोर भारत की पहली अर्ध-उच्च गति क्षेत्रीय रेल प्रणाली है जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रमुख शहरी केंद्रों को जोड़ती है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई (सीआईएसएफ) डीएमआरसी के प्रशिक्षण कक्ष कवच में शुरू हो गया है, जो मेट्रो रेल और मास रैपिड ट्रांजिट सुरक्षा में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध एक प्रमुख संस्थान है।

अपने प्रशिक्षण कक्ष 'कवच' के माध्यम से, सीआईएसएफ मेट्रो और शहरी परिवहन सुरक्षा प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बन गया है। यह कक्ष दिल्ली मेट्रो रेल निगम में तैनात सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों के लिए प्रमाणित पाठ्यक्रम संचालित करता है; संसद भवन परिसर जैसी संवेदनशील इमारतों के लिए आंतरिक सुरक्षाकर्मी प्रमाणन कार्यक्रम चलाता है; और परिचालन तत्परता बढ़ाने के लिए नियमित रूप से सॉफ्ट स्किल्स, फर्स्ट-रेस्पॉन्डर और रिफ्रेशर पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

120 किमी की मारक क्षमता वाले पिनाका रॉकेट का सफल परीक्षण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने सोमवार को 120 किमी की मारक क्षमता वाले पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल परीक्षण किया। पिनाका रॉकेट का पहला सफल परीक्षण चांदीपुर में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ और अन्य हितधारकों को बधाई दी।

पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम ने भारत की स्वदेशी रक्षा शक्ति को नई धार दी है। 120 किलोमीटर तक की मारक क्षमता के साथ यह भारतीय सेना की आर्टिलरी क्षमता का प्रमुख आधार बनेगा। यह प्रणाली न सिर्फ लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम है, बल्कि आधुनिक युद्ध की बदलती जरूरतों के अनुरूप कई उन्नत खूबियों से भी लैस है।

स्वदेशी प्रणाली ने दुनिया के आधुनिक रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम से ली टक्कर

पिनाका रॉकेट सिस्टम का विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने किया है, जबकि इसके निर्माण और आपूर्ति में भारतीय रक्षा उद्योग की अहम भागीदारी रही है। यह पूरी तरह स्वदेशी प्रणाली है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को मजबूती देती है। पिनाका का शुरुआती संस्करण लगभग 40 किलोमीटर की रेंज तक सीमित था, लेकिन तकनीकी सुधारों के साथ इसकी मारक क्षमता पहले 60 और 75 किलोमीटर तक बढ़ाई गई। अब 120 किलोमीटर रेंज वाला संस्करण इसे दुनिया की आधुनिक रॉकेट आर्टिलरी

प्रणालियों की कतार में खड़ा करता है।

पिनाका रॉकेट की प्रमुख खूबियां

120 किमी रेंज वाले पिनाका रॉकेट्स में उन्नत गाइडेंस सिस्टम लगाया गया है, जिससे यह अत्यधिक सटीकता के साथ लक्ष्य को भेद सकते हैं। इसमें इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और सैटेलाइट आधारित मार्गदर्शन तकनीक का उपयोग किया गया है, जो लक्ष्य से विचलन को न्यूनतम करता है। इसके कारण कोलेटरल डैमेज कम होता है और प्रभावशीलता बढ़ती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को राहत देने से किया इनकार, एचसी आदेश पर स्टे

नई दिल्ली। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित की गई थी। हाई कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि आरोपी को राहत नहीं दी जा सकती क्योंकि उसे एक अलग अपराध में भी दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है। हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने सेंगर को नोटिस भी जारी किया है।

कुलदीप सिंह सेंगर को दिसंबर 2019 में उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी ठहराया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने उन पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने सीबीआई द्वारा

दायर उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सेंगर की सजा को निलंबित करने वाले उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सेंगर की ओर से सिद्धार्थ दवे और हरिहरन समेत वरिष्ठ अधिवक्ता पीठ के समक्ष पेश हुए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले को 'बच्ची के साथ बलात्कार का एक भयावह मामला' बताया और इस बात पर जोर दिया कि सेंगर को आईपीसी की धारा 376 और पीओसीएसओ अधिनियम की धारा 5 और 6 के तहत दोषी ठहराया गया है। ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशों को पढ़ते हुए मेहता ने इस बात पर बल दिया कि इस मामले में यौन उत्पीड़न शामिल है और आरोपी का नाबालिग पीड़िता पर दबदबा था।

'यदि कोई व्यक्ति प्रभावशाली स्थिति में है, तो इसे गंभीर हमला माना जाता है। इस मामले में, वह उस क्षेत्र के एक बहुत शक्तिशाली विधायक थे,' मेहता ने अदालत से विवादित आदेश पर रोक लगाने का आग्रह करते हुए कहा, 'हम बच्चे के प्रति जवाबदेह हैं।' पीठ ने पीओसीएसओ अधिनियम के तहत लोक सेवक की व्याख्या पर विस्तार से सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश कांत ने टिप्पणी की, 'हमें चिंता है कि एक कांस्टेबल को अधिनियम के तहत लोक सेवक माना जाएगा, लेकिन एक विधायक को इससे बाहर रखा जाएगा!' मुख्य न्यायाधीश मेहता ने स्पष्ट किया कि लोक सेवक की अवधारणा को संदर्भ के अनुसार समझा जाना चाहिए, यानी अपराध के समय प्रभावशाली स्थिति में रहने वाले व्यक्ति को।

बंगाल में सीएम ममता बनवाएंगी महाकाल का मंदिर, तुष्टिकरण के आरोपों पर बोलीं- मैं धर्मनिरपेक्ष हूं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे तुष्टिकरण के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए खुद को सच्चे अर्थों में धर्मनिरपेक्ष बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों और समुदायों को समान सम्मान देती है और यही उनकी राजनीति की मूल विचारधारा है।

कोलकाता में 'दुर्गा आंगन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, कई लोगों ने कहा है कि मैं तुष्टीकरण कर रही हूं, लेकिन मैं सेक्युलर हूं और सभी धर्मों में विश्वास करती हूं। मुझे बंगाल से प्यार है, मुझे भारत से प्यार है। हम सभी जातियों, सभी धर्मों से प्यार करते हैं। यही हमारी विचारधारा है। हर व्यक्ति को अपना लोकतांत्रिक अधिकार है। धर्म व्यक्तिगत पसंद है लेकिन त्यौहार सभी के लिए हैं।ममता ने कहा कि मैं सभी धर्मों के कार्यक्रमों में जाती हूं, जब मैं गुरुद्वारे जाता हूं तो किसी को कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन अगर मैं ईद के कार्यक्रम में जाती हूं तो कुछ लोगों को परेशानी होने लगती है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दुर्गा आंगन की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज का

कार्यक्रम बंगाल और बंगाल के लोगों को समर्पित है। मैं समाज के अलग-अलग वर्गों से यहां आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं। आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि दुर्गा आंगन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और हमें उम्मीद है कि काम बहुत जल्द शुरू हो जाएगा।

ममता बनर्जी ने बताया कि दुर्गा आंगन के निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और इसका लाभ राज्य के लोगों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गा आंगन न केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि बंगाल के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्र पर लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर भी परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि वह लंबे समय से गंगासागर में पुल निर्माण को लेकर प्रयास कर रही थीं, लेकिन अब राज्य सरकार खुद इस परियोजना को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने घोषणा की कि गंगासागर में प्रस्तावित पुल की नींव 5 जनवरी को रखी जाएगी और अगले दो वर्षों में इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने धार्मिक स्थलों के विकास से जुड़ी एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी।

एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल

एसआईआर प्रक्रिया पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा, लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक महीने में 50 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई। लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ती रहूंगी; इसके लिए जान देने को भी तैयार हूं।

मानवता पर गहरा आघात, सिंधिया ने की देहरादून में त्रिपुरा के छात्रों पर हुए हमले की निंदा

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को देहरादून में त्रिपुरा के छात्रों एंजेल चकमा और माइकल पर हुए क्रूर हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना को 'मानवता और संवेदनशीलता पर एक गंभीर आघात बताया। एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में सिंधिया ने कहा देहरादून में त्रिपुरा के एंजेल चकमा और माइकल के साथ हुई अमानवीय घटना ने मुझे गहराई से व्यथित और स्तब्ध किया है।यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता पर गहरा आघात है।

मैं पीड़ितों के परिवार के असहनीय दुख को समझता हूँ और इस कठिन घड़ी में उनके साथ खड़ा हूँ।इस गंभीर प्रकरण को लेकर मैंने उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी से विस्तार से संवाद किया और दृढ़ता के साथ आग्रह किया है कि इस मामले की निष्पक्ष, त्वरित और कठोरतम जांच सुनिश्चित की जाए तथा दोषियों को कानून के दायरे में लाकर उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दिलाई जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और समाज में यह स्पष्ट संदेश जाए कि ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री मानिक साहा जी से इस विषय पर संवाद करते हुए स्पष्ट किया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार प्रदेश के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मानव गरिमा के विरुद्ध ऐसे अपराध हमारे समाज और संविधान दोनों के मूल्यों पर सीधा प्रहार हैं, जिन्हें किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इससे पहले, 9 दिसंबर को देहरादून में एमबीए छात्र अंजेल चकमा पर बदमाशों के एक समूह ने चाकू और अन्य धारदार वस्तुओं से हमला किया था, जिसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से दो आरोपी नाबालिग हैं और उन्हें किशोर सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है, जिस पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया है। उत्तराखंड मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, फरार आरोपी की तलाश में एक पुलिस दल को नेपाल भी भेजा गया है।

सरकार ने एचसी के फैसले का किया स्वागत, दोहराई संरक्षण की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली।केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने 20 नवंबर के अपने उस फैसले को स्थगित कर दिया था जिसमें उसने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। उन्होंने पर्वतमाला के संरक्षण और पुनर्स्थापन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एक पोस्ट में भूपेंद्र यादव ने कहा कि मैं अरावली पर्वतमाला से संबंधित अपने आदेश पर रोक लगाने और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई समिति के गठन के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का स्वागत करता हूं। हम अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और पुनर्स्थापन में पर्यावरण, पर्यावरण और सामुदायिक सेवा एवं परिवहन आयोग (एमओईएफसीसी) से मांगी गई हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भूपेंद्र यादव ने आगे कहा कि वर्तमान स्थिति के अनुसार, नए खनन पट्टों या पुराने खनन पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध बरकरार है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने भी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। इस घटनाक्रम पर बोलते हुए गहलोत ने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज रोक लगा दी है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता, और वास्तव में पूरे देश की जनता, इस आंदोलन में शामिल हुई है।

उत्तराखंड के किसानों को शिवराज का सीधा संदेशः खातों में पहुंचे 65 करोड़, कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड में प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों को नुकसान पहुंचने वाले किसानों के खातों में 65 करोड़ रुपये से अधिक जमा किए जा चुके हैं और इस वर्ष अकेले ही 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की जा चुकी है। सभा को संबोधित करते हुए चौहान ने जोर दिया कि उत्तराखंड में लोकप्रिय रूप से उगाया जाने वाला माल्टा संतरा

भारत के कोने-कोने तक पहुंचेगा और सरकार इसके वैश्विक निर्यात के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

शिवराज ने कहा कि यहां फलों की इतनी विविधता है। यहां का माल्टा संतरा इतना बड़ा होता है कि तरबूज जैसा लगता है। यह माल्टा संतरा भारत के कोने-कोने तक जाएगा और हम इसे पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आज इस अवसर पर मैं उत्तराखंड के किसान भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं: मुख्यमंत्री हर संभव प्रयास कर रहे हैं। शिवराज चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। आज हमने प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों को नुकसान झेलने वाले किसानों के खातों में 65 करोड़ रुपये से अधिक जमा कर दिए हैं, और इस वर्ष ही 500 करोड़ रुपये से अधिक जमा किए जा चुके हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्वागत किया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को विकसित भारत-ग्राम जन विकास अधिनियम, 2025 के रूप में प्रतिस्थापित किए जाने पर हुए विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सभी योजनाएं भ्रष्टाचार का शिकार हुईं।

जयराम रमेश का दावा, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्री की खोली पोल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद को स्पष्ट कर दिया है और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के कार्यों का पर्दाफाश कर दिया है। रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर मुझ पर और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। आज सुप्रीम कोर्ट में यह मामला साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली की पुनर्परिभाषा पर रोक लगा दी है।

रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार अरावली के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने पर तुली हुई है, जो दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और विशेष रूप से राजस्थान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है - राजस्थान के उन 19 जिलों के लिए जहां से पर्यावरण मंत्री आते हैं। रमेश ने आगे कहा कि वह सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में व्यस्त हैं और अरावली पर वह अशोक गहलोत और मुझ पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे, और आज सुप्रीम कोर्ट में उनका पर्दाफाश हो गया है।

इस बीच, अशोक गहलोत ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उसने 20 नवंबर के उस फैसले को स्थगित कर दिया था जिसमें उसने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था।

बीएमसी चुनावों के लिए मुंबई कांग्रेस की पहली सूची, 87 उम्मीदवारों का ऐलान, राज ठाकरे की बढ़ा दी टेंशन!

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए 87 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। BMC सहित महाराष्ट्र के सभी नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसमें माहिम विधानसभा सीट के तहत आने वाली वार्ड नंबर 192 भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो इस सीट से राज ठाकरे ने अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।

कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है और रविवार को सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच कई दौर की चर्चाओं और बैठकों के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। बीएमसी की 227 सीटों में से कांग्रेस 165 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। वहीं, वीबीए 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गुट भी शामिल हैं।

बीएमसी चुनावों के लिए, शिवसेना-यूबीटी ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन किया है, जिसकी कांग्रेस ने बार-बार आलोचना की है। कांग्रेस की पुरानी पार्टी का कहना है कि वह सभी 'विभाजनकारी' और 'सांप्रदायिक' ताकतों के खिलाफ है, इसीलिए वह शिवसेना-यूबीटी के एमएनएस के साथ गठबंधन का विरोध कर रही है। इससे पहले पार्टी ने कहा था कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी, लेकिन बाद में खबरें आईं कि कांग्रेस प्रकाश अंबेडकर की पार्टी के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है।

भुसावल रेलवे स्टेशन पर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा स्वच्छता एवं महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 29 दिसंबर 2025 को मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, भुसावल द्वारा भुसावल रेलवे स्टेशन परिसर में महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जनजागृति के उद्देश्य से सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का नेतृत्व रेखा अग्रवाल, अध्यक्षा, मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने किया। इस अवसर पर संगठन की सदस्याओं की उपस्थिति में भुसावल रेलवे स्टेशन पर कार्यरत महिला कर्मचारियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए।

महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए, उचित स्वच्छता पद्धतियों को अपनाने के प्रति महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य था। ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मसम्मान एवं कार्यक्षमता में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

महिला कल्याण हेतु मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित सामाजिक पहलों में यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे द्वारा 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 18 जनवरी, 2026 तक कुल 30 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर लें। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30/31 दिसंबर, 2025 की रात से 6 जनवरी, 2026 तक की अवधि के दौरान विभिन्न लाइनों पर ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान अप फास्ट लाइन पर 23:15 से 03:15 बजे तक, 5वीं लाइन पर 23:00 से 03:30 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर शटडाउन मार्जिन के दौरान ब्लॉक किया जाएगा।उपर्युक्त ब्लॉकों के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। ब्लॉक के कारण प्रभावित ट्रेनों की सूची अनुलग्नक-I एवं अनुलग्नक-II में दी गई है।

वडोदरा मंडल के बाजवा - अहमदाबाद सेक्शन पर स्वदेशी 'कवच 4.0' प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

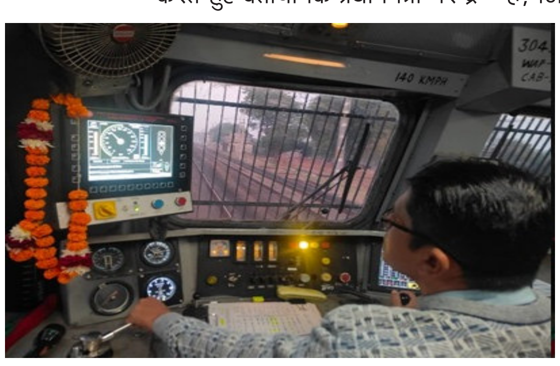

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा रेल परिचालन में संरक्षा को और मजबूत करते के क्रम में 29 दिसंबर,2025 को 96 किलोमीटर लंबे बाजवा - अहमदाबाद सेक्शन पर कवच 4.0 सिस्टम को सफलतापूर्वक कमीशन किया गया। वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके के मार्गदर्शन में वडोदरा मंडल ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। कवच से लैस पहली ट्रेन 59549/59550 संकल्प फास्ट पैसेंजर 29 दिसंबर को वडोदरा से अहमदाबाद के लिए रवाना हुई, जिसके लोकोमोटिव में वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके एवं वरिष्ठ अधिकारिओं ने सफ़र किया और इस स्वदेशी 'कवच' प्रणाली का अवलोकन किया। पहली ट्रेन शत प्रतिशत ऑपरेशनल अवेलेबिलिटी के साथ चली और इस प्रकार बाजवा - अहमदाबाद सेक्शन पर स्वदेशी 'कवच 4.0' प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशन हुआ।

वडोदरा के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने इस अवसर पर मीडिया को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न को माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में रेलवे में टेक्नोलॉजी में आत्मसात किया जा रहा है। कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो सिग्नल पास एट डेंजर की रोकथाम के साथ - साथ ऑटोमैटिक स्पीड कंट्रोल एवं आमने-सामने और पीछे से टक्करों से सुरक्षा जैसी कार्यक्षमताएं प्रदान करती है। यह ट्रैक पर RFID टैग और ट्रैक, सिग्नल और लोकोमोटिव के बीच कम्युनिकेशन के लिए अल्ट्रा-हाई रेडियो फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल करता है, जिससे केबिन में लोको पायलटों को रियल-टाइम जानकारी मिलती है, और यह सुरक्षित और ज़्यादा कुशल यात्राओं के लिए एक सतर्क रक्षक की तरह काम करता है।

96 किलोमीटर लंबे बाजवा-अहमदाबाद खंड पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' प्रणाली के अंतर्गत 17 स्टेशनों को कवर किया गया है, 23 टावर स्थापित किये गए है और 192 किलो मीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गयी है। NMS डिवीजन ऑफिस, प्रतापनगर और अहमदाबाद में इंस्टॉल किया गया है। इस सेक्शन में इस प्रणाली के कमीशन होने से संरक्षा में वृद्धि के साथ साथ उच्च गति पर भी सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित होगा।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा वर्ष 2026 के लिए पश्चिम रेलवे का वॉल कैलेंडर एवं टेबल कैलेंडर का विमोचन

राष्ट्रीय गौरव के 150 वर्षों और भारतीय रेल की शाश्वत विरासत का दृश्यात्मक सफ़र

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी नववर्ष के अवसर पर वर्ष 2026 के लिए अपने वॉल कैलेंडर एवं टेबल कैलेंडर का विमोचन कर संगठन की गौरवशाली विरासत, समकालीन उपलब्धियों तथा जन-केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में इन कैलेंडरों का औपचारिक विमोचन किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वॉल कैलेंडर 2026 का विषय 'वंदे मातरम् - राष्ट्रीय गौरव और गौरवगाथा के 150 वर्ष' है, जो भारत के इस प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत के डेढ़ सौ वर्षों का स्मरण करते हुए पश्चिम रेलवे की परिवर्तनशील यात्रा को प्रतिबिंबित करता है। यह आकर्षक एवं दृश्यात्मक रूप से समृद्ध कैलेंडर पश्चिम रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों और आधारभूत संरचना विकास को दर्शाता है। इसमें वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी अत्याधुनिक ट्रेनें, आधुनिक विद्युत इंजनों, उन्नत रेलवे स्टेशनों तथा एस्केलेटर और बेहतर स्टेशन संरचना जैसी उन्नत यात्री सुविधाओं के प्रमुख दृश्य शामिल हैं। ये सभी चित्र सुरक्षित, कुशल एवं विश्वस्तरीय रेल सेवाएं प्रदान करने के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। तिरंगे के सजीव रंगों में डिज़ाइन किया गया यह कैलेंडर राष्ट्रीय गौरव के भाव से जुड़ते हुए तकनीकी नवाचार एवं यात्री-केंद्रित विकास को भी उजागर करता है।

भारतीय रेल की स्थायी विरासत को प्रतिबिंबित करते हुए और अतीत की स्मृतियों को जीवंत करते हुए, विनीत अभिषेक ने बताया कि टेबल कैलेंडर 2026, जिसका विमोचन भी इसी कार्यक्रम में किया गया, 'इतिहास के पन्नों से गुजरती रेलगाड़ियाँ - लोकोमोटिव्स ऑन पेडेस्टल' विषय पर आधारित है और यह भारतीय रेल की गौरवशाली विरासत को समर्पित एक भावनात्मक श्रद्धांजलि है। इस कैलेंडर में पश्चिम रेलवे द्वारा संरक्षित विंटेज भाप इंजनों के मनमोहक चित्र शामिल हैं, जो उस दूरदर्शिता, समर्पण और अथक प्रयासों को दर्शाते हैं, जिन्होंने भारतीय रेल को राष्ट्रीय प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बनाया। आज जहां यात्री वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों से यात्रा कर रहे हैं, वहीं ये कालजयी भाप इंजन हमें उस दौर की याद दिलाते हैं जब रेलगाड़ियाँ खेतों, कस्बों और शहरों से गुजरते हुए अपनी विशिष्ट सीटी की गूंज के साथ आगे बढ़ती थीं, जो रेल यात्रा के रोमांच, दृढ़ता और शाश्वत भावना का प्रतीक हैं।

वर्ष 2026 के लिए वॉल और टेबल कैलेंडरों का यह विमोचन न केवल पश्चिम रेलवे के गौरवशाली अतीत और गतिशील वर्तमान को प्रतिबिंबित करता है, बल्कि राष्ट्र और यात्रियों की सेवा में नवीन ऊर्जा, नवाचार और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के उसके संकल्प को भी पुनः सुदृढ़ करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, विशेष किराये पर चल रही 09 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल - इंदौर स्पेशल (त्रि-साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल - इंदौर स्पेशल को 30 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 31 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09083/09084 मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी स्पेशल (त्रि-साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09083 मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09084 भगत की कोठी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल (त्रि-साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन संख्या 09207/09208 बांद्रा टर्मिनस - भावनगर टर्मिनस स्पेशल (साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस - भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09208 भावनगर टर्मिनस - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को भी 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन संख्या 09415/09416 बांद्रा टर्मिनस - गांधीधाम स्पेशल (साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09415 बांद्रा टर्मिनस - गांधीधाम स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09416 गांधीधाम - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस - उधना स्पेशल
ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस - उधना स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09056 उधना - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन संख्या 09211/09212 गांधीग्राम - बोटाद स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09211 गांधीग्राम - बोटाद स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09212 बोटाद - गांधीग्राम स्पेशल को भी 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

8. ट्रेन संख्या 09215/09216 गांधीग्राम - भावनगर टर्मिनस स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09215 गांधीग्राम - भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09216 भावनगर टर्मिनस - गांधीग्राम स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

9. ट्रेन संख्या 09529/09530 धोला - भावनगर टर्मिनस स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09529 धोला जं.- भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09530 भावनगर टर्मिनस - धोला जं. स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09085, 09083, 09001, 09086, 09207, 09208, 09415, 09416, 09055 एवं 09056 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 30 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जल्दी पूरा करें ट्रायल', यमन नागरिक से जुड़े तस्करी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश

मुंबई। यमन नागरिक के खिलाफ नशा तस्करी के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने मुंबई की एक निचली अदालत को निर्देश दिया है कि वह यमन के एक नागरिक के खिलाफ चल रहे दो नशा तस्करी के मामलों की सुनवाई जल्द पूरी करे। अदालत ने कहा कि जब तक मामला खत्म नहीं होता, आरोपी को भारत में ही रखना पड़ता है, जिससे सरकार पर बेवजह खर्च बढ़ रहा है।

हाईकोर्ट ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले लंबित हैं। जब तक इन मामलों का फैसला नहीं हो जाता, तब तक उसे उसके देश यमन वापस नहीं भेजा जा सकता। ऐसे में सरकार को उसकी रहने, खाने और अन्य जरूरतों का खर्च उठाना पड़ रहा है।

तीन महीनों के भीतर करना होगा मामले का निपटारा

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एएस गडकरी और आरआर भोंसले की पीठ ने निचली अदालत को आदेश दिया कि वह दोनों मामलों का निपटारा तीन महीने के भीतर करे। बता दें कि आरोपी गालाल नाजी मोहम्मद ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि उसे वीजा दिया जाए। उसने कहा कि वह सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ भारत आया था, लेकिन पिछले साल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उसे दो नशा मामलों में गिरफ्तार कर लिया। याचिका में यह भी बताया गया कि उसका वीजा खत्म हो चुका है, लेकिन केस चलने की वजह से न तो वीजा बढ़ाया जा रहा है और न ही उसे यमन भेजा जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से वकील अरुणा पई ने अदालत को बताया कि गृह मंत्रालय की तय प्रक्रिया के अनुसार आरोपी को वीजा बढ़ाने के लिए आवेदन करना होगा और आवेदन मिलने के तीन हफ्ते के भीतर इस पर फैसला कर लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे ने विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

ट्रेन नंबर	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	चलने के दिन	तक बढ़ाया गया
09085	मुंबई सेंट्रल - इंदौर	सोम, बुध और शुक्र	30.01.2026
09086	इंदौर - मुंबई सेंट्रल	मंगल, गुरु और शनि	31.01.2026
09207	बांद्रा टर्मिनस - भावनगर टर्मिनस	शुक्रवार	27.02.2026
09208	भावनगर टर्मिनस - बांद्रा टर्मिनस	गुरुवार	27.02.2026
09415	बांद्रा टर्मिनस - गांधीधाम	गुरुवार	26.02.2026
09416	गांधीधाम - बांद्रा टर्मिनस	गुरुवार	26.02.2026
09055	बांद्रा टर्मिनस - उधना	सोम, मंगल, बुध, गुरु और रवि	26.02.2026
09056	उधना - बांद्रा टर्मिनस	सोम, मंगल, बुध, शनि और रवि	25.02.2026

टाइमिंग, स्टॉप और कंपोजिशन के बारे में ज़्यादा जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ऊपर बताई गई ट्रेनों की एक्सटेंडेड ट्रिप के लिए बुकिंग 30.12.2025 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ये ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी रिज़र्व टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

कांग्रेस-उद्धव गुट की जुगलबंदी, बीजेपी को मिलेगी कड़ी चुनौती?

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेस ने सोमवार को पुणे में आगामी नगर निगम चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन की आधिकारिक घोषणा की। यह घोषणा वरिष्ठ नेताओं सतेज पाटिल और सचिन अहीर ने की। प्रारंभिक सीट-बंटवारे की व्यवस्था के अनुसार, कांग्रेस पुणे नगर निगम (पीएमसी) की 160 सीटों में से 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 45 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

दोनों पक्षों के नेताओं ने कहा कि शेष 55 सीटों के आवंटन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बातचीत जारी है और आने वाले दिनों में सीट बंटवारे को लेकर और स्पष्टता आने की उम्मीद है। रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आगामी पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एनसीपी (शरद चंद्र पवार गुट) के बीच गठबंधन की घोषणा की। दोनों गुटों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए अजीत पवार ने कहा कि यह गठबंधन परिवार के पुनर्मिलन का प्रतीक है।

आज पिंपरी-चिंचवाड़ में एक चुनावी रैली के दौरान उन्होंने कहा कि पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देते समय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद चंद्र पवार गुट ने पिंपरी-चिंचवाड़ में साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसी वजह से परिवार एक बार फिर एकजुट होगा। लोगों के मन में कई सवाल थे कि आगे क्या होगा; कई बार महाराष्ट्र के विकास के हित में कुछ फैसले लेने पड़ते हैं। मैंने यहां के नेताओं के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा की है और इसकी घोषणा भी जल्द ही की जाएगी।

मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए साथ आए कांग्रेस-वीबीए, 70 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की राजनीति में चुनावी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 15 जनवरी को होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों के लिए अपने 70 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। यह घोषणा नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि से ठीक एक दिन पहले की गई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी बढ़ गई है।

कांग्रेस का वीबीए के साथ बना समझौता

यह सूची राष्ट्रीय दल के पूर्व सांसद प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के साथ सीट समझौते के एक दिन बाद आई है।। दोनों दल 227 सदस्यों वाले बृहन्मुंबई नगर निगम के लिए मिलकर चुनाव मैदान में उतरे हैं। गौरतलब है कि बीएमसी

देश का सबसे बड़ा और सबसे धनी नगर निकाय है, जिसका वार्षिक बजट 74,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी ज्यादा है।

62 सीटों पर लड़ेगी वीबीए

इस गठबंधन के तहत वंचित बहुजन अघाड़ी 62 सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रही है। इस बीच, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर के राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) ने भी अपने छह प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है। आरएसपी भी कांग्रेस के साथ गठबंधन में यह चुनाव लड़ रही है।

एनसीपी (एसपी) ने भी की प्रत्याशियों की घोषणा

दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने सात सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा की। यह दल विपक्षी महा विकास अघाड़ी का एक घटक है, लेकिन मुंबई में इसने किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं किया है। और स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। बता दें कि महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे, ठाणे और नागपुर सहित 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और मतगणना अगले दिन होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर है।

बिपिन गुप्ता बने मीरा-भायंदर भाजपा के नए मीडिया प्रभारी

अनुभवी पत्रकार की नियुक्ति से संगठन को मिलेगी नई धार

मीरा-भायंदर।

भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए मीडिया जगत के वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्तित्व बिपिन गुप्ता को मीरा-भायंदर भाजपा का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। महाराष्ट्र की फाउंडर टीम के सदस्य रहे बिपिन गुप्ता की यह नियुक्ति पार्टी के मीडिया और जनसंपर्क तंत्र को नई ऊर्जा देने वाली मानी जा रही है।

यह नियुक्ति भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद तथा मीरा-भायंदर के लोकप्रिय विधायक एवं कद्दावर नेता आमदार नरेंद्र मेहता के कुशल नेतृत्व में की गई। नियुक्ति पत्र सौंपते समय भाजपा मीरा-भायंदर जिलाध्यक्ष दिलीप जैन ने विश्वास व्यक्त किया कि बिपिन गुप्ता के अनुभव और मीडिया कौशल से पार्टी के संदेश को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने में नई गति मिलेगी।

मीडिया क्षेत्र में बिपिन गुप्ता एक प्रतिष्ठित नाम हैं। महाराष्ट्र जैसे अग्रणी समाचार चैनल की शुरुआती टीम का हिस्सा रहने के कारण उन्हें पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया और जनसंपर्क की गहरी समझ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी नियुक्ति से भाजपा आने वाले समय में पारंपरिक और डिजिटल मीडिया के बेहतर समन्वय के माध्यम से अपनी नीतियों और उपलब्धियों को और सशक्त रूप से प्रस्तुत कर सकेगी। नियुक्ति की खबर से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। बिपिन गुप्ता ने इस अवसर पर शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, विधायक नरेंद्र मेहता तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी एवं सकारात्मक रूप से जनता तक पहुँचाने के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे।

देवकीनंदन महाराज को श्रीराम कथा का सादर आमंत्रण

नवी मुंबई में पंचदिवसीय रामकथा से गूंजेगा राममय वातावरण

नवी मुंबई। जय श्री राम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में नवी मुंबई के कोपरखैराने सेक्टर 1 से 4 गार्डन में आगामी 25 जनवरी से पंचदिवसीय भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन आयोजन का आमंत्रण पत्र सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. देवकीनंदन ठाकुर महाराज को सादर भेंट किया गया।

यह आमंत्रण नवी मुंबई के खारघर में चल रही श्री महापुराण कथा के दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा महाराज से सादर भेंट कर दिया गया। आमंत्रण स्वीकार करते हुए देवकीनंदन महाराज ने जय श्री राम सेवा ट्रस्ट की इस धर्मपरायण पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कलयुग में धार्मिक आयोजनों से दूर होते हैं नकारात्मक विचार

देवकीनंदन महाराज ने कहा कि कलयुग में धार्मिक अनुष्ठानों का निरंतर आयोजन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे समाज में फैली नकारात्मकता दूर होती है और जीवन मंगलमय बनता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पापाचार, जातिवाद और प्रांतवाद देश के सामाजिक ताने-बाने में विष घोल रहे हैं, जिससे आपसी कटुता बढ़ रही है। इसे रोकना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए एकजुटता जरूरी

महाराज ने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं, लेकिन

जातिवादी राजनीति करने वाले नेताओं को इससे कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि ऐसे नेताओं को बांग्लादेश जाकर हिंदुओं की रक्षा करनी चाहिए, और चेतावनी देते हुए कहा– 'यदि वे जाएं, तो मैं भी उनके साथ चलने को तैयार हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ विदेशी शक्तियां लोगों को भड़काकर देश की एकता को कमजोर करना चाहती हैं, लेकिन हम सबको एकजुट होकर ऐसी नकारात्मक शक्तियों का सामना करना होगा।

गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर जय श्री राम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय राय, नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार राकेश पांडेय, दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार रमाकांत पांडेय, नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार मनीष अस्थाना, शिखर न्यूज नेटवर्क के महाराष्ट्र प्रभारी अनिल बारी सहित बड़ी संख्या में ट्रस्ट के कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जय श्री राम सेवा ट्रस्ट ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से इस श्रीराम कथा में सहभागी बनकर धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने की अपील की है।

अगर चाहें तो मैं इसे और भी ज्यादा आक्रामक, आध्यात्मिक या हेडलाइन-प्रधान संस्करण में भी तैयार कर सकता हूँ।

श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ

सत्संग–मोक्ष का द्वार और जीवन में सुख-शांति का अमोघ साधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के षष्ठ पावन दिवस पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने अपने ओजस्वी एवं करुणामय प्रवचनों में सत्संग के महत्व, भगवान की शरणागति तथा निष्काम भक्ति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके वचनों से

संपूर्ण पांडाल भक्ति, वैराग्य और आत्मिक शांति की अनुभूति से परिपूर्ण हो उठा।

स्वामीजी ने कहा कि सत्संग केवल साधुओं के सान्निध्य में बैठना मात्र नहीं है, अपितु यह आत्मा को परम सत्य से जोड़ने की जीवंत प्रक्रिया है। सत्संग के प्रभाव से मन के विकार क्षीण होते हैं और जीवन में विवेक, वैराग्य तथा भक्ति का उदय होता है।

शास्त्र-संदर्भ देते हुए स्वामी जी ने कहा–

'सत्संगत्वे निस्संगत्वं, निस्संगत्वे निर्मोहत्वम्।

निर्मोहत्वे निश्चलतत्त्वं, निश्चलतत्त्वे जीवन्मुक्तिः?'

अर्थात सत्संग से आसक्ति का नाश होता है, मोह का क्षय होता है और अंततः जीव को मुक्ति की प्राप्ति होती है।

स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने स्पष्ट किया कि जब मनुष्य निष्काम भाव से भगवान की शरण में जाता है, तब उसकी सभी सांसारिक चिंताएँ स्वतः शांत होने लगती हैं। शरणागति अहंकार का त्याग है और भक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है। ऐसे भक्त के जीवन में दुख, भय और असंतोष टिक नहीं पाते।

भागवत महापुराण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा–

'स वै पुंसां परो धर्मो यतो भक्तिरधोक्षजे अहैतुक्यप्रतिहता यया आत्मा सुप्रसीदति।'

अर्थात वही धर्म श्रेष्ठ है, जिससे भगवान में निष्काम, अविच्छिन्न भक्ति उत्पन्न हो और आत्मा परम शांति को प्राप्त करे।

स्वामीजी ने कहा कि आज का मानव भौतिक सुविधाओं से संपन्न होते हुए भी मानसिक अशांति से ग्रस्त है। इसका एकमात्र समाधान सत्संग, कथा, भजन और नाम-स्मरण है। सत्संग मन को संयमित करता है, बुद्धि को शुद्ध करता है और आत्मा को परम लक्ष्य की ओर अग्रसर करता है।

गोस्वामी तुलसीदास जी के वचन उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा–

'बिनु सत्संग विवेक न होई।

राम कृपा बिनु सुलभ न सोई?'

अर्थात सत्संग के बिना विवेक संभव नहीं और विवेक के बिना प्रभु-कृपा की प्राप्ति नहीं होती।

युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने कहा कि जीवन की दिशा सत्संग तय करता है। यदि युवावस्था में सत्संग का संस्कार पड़ जाए, तो संपूर्ण जीवन धर्म, कर्तव्य और मर्यादा से आलोकित हो जाता है।

अंत में उन्होंने संदेश दिया–

'सत्संग जीवन को बदलता है,

शरणागति जीवन को संवारती है,

और निष्काम भक्ति जीवन को मुक्त करती है।'

कथा के समापन पर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति-रस में डूबे रहे।

प्रो. दयानंद तिवारी

प्रवक्ता, काशी धर्म पीठ

मो.: 9987123330

पिंपरी चिंचवाड़ के बाद पुणे में भी अजित और शरद पवार गुट का गठबंधन, रोहित बोले- सीट बंटवारा तय

पुणे। पुणे में नगर निगम चुनावों से पहले उप मुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और उनके चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (एसपी) ने सोमवार को गठबंधन कर लिया। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख के एक दिन पहले यह गठबंधन हुआ है।

पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम चुनावों के लिए यह नया गठबंधन सामने आया है, जिसमें एनसीपी (महायुति गठबंधन की सदस्य) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) (विपक्षी महा विकास आघाड़ी की सदस्य) ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया।

कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया फैसलाः रोहित पवार

एनसीपी (शरद पवार गुट) विधायक रोहित पवार ने कहा कि स्थानीय कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए गठबंधन करने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल दोनों दल पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव साथ लड़ेंगे। रोहित पवार ने स्पष्ट किया कि गठबंधन तय करने के फैसले में एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार शामिल नहीं हुए। हालांकि

वह मानते हैं कि पार्टी कार्यकर्ता अहम हैं और उनके विचारों का चुनावों में महत्व है। गठबंधन के लिए सीटों का बंटवारा भी तय किया गया है। हालांकि रोहित पवार ने इसकी जानकारी साझा नहीं की।

कल नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन

महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और मतगणना अगले दिन होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 दिसंबर है। राजनीतिक दृष्टिकोण से पवार परिवार के लिए पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम बेहद अहम हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में कई आईटी और औद्योगिक इकाइयां हैं। यह क्षेत्र दशकों से पवार परिवार का राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा है। 2023 में एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई थी, जब अजित पवार और उनके समर्थक विधायक एनडीए की सरकार में शामिल हुए। हालांकि इन दोनों नगर निकायों में दोनों ने गठबंधन कर लिया है। भाजपा और शिवसेना (उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई में) ने अभी तक पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में गठबंधन का औपचारिक निर्णय नहीं लिया है। कांग्रेस और उसकी एमवीए सहयोगी शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के बीच भी बातचीत चल रही है। अभी यह तय नहीं है कि दोनों दल अलग-अलग लड़ेंगे या नहीं। पुणे में कुल 165 और पिंपरी चिंचवाड़ में 128 निगम पदों पर चुनाव होने हैं। भाजपा 2017 से 2022 तक इन दोनों नगर निगमों में सत्ता में थी।

बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, किरीट सोमैया के बेटे को टिकट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने वाले हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद कर रही है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। हालांकि दोनों पार्टियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे की घोषणा नहीं की है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, 'भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह भी कहा कि महायुति आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा था, मुंबई नगर निगम में महायुति सरकार बनाने और 'अंधकार छंटेगा, सूर्य उदय होगा और कमल खिलेगा'

के नारे को साकार करने का संकल्प है। यह चुनाव नगर निकाय में पारदर्शी और ईमानदार शासन स्थापित करने के उद्देश्य से लड़ा जा रहा है।

मुंबई सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के लिए चुनाव 15 जनवरी को होंगे और परिणाम अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

वंचित बहुजन से 'हाथ' कितना होगा मजबूत? 25 साल बाद बीएमसी चुनाव में कांग्रेस-वीबीए एक साथ

मुम्बई **(एजेंसी)**। बीएमसी चुनाव में कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) का एक साथ आना महाराष्ट्र की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। लंबे समय से अलग-अलग राह पर चल रही ये दोनों पार्टियां अब मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ती नजर आ रही हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य अल्पसंख्यक, दलित और वंचित वर्गों के साथ-साथ नाराज शहरी मतदाताओं को एकजुट करना बताया जा रहा है। गठबंधन के तहत 28 मनपाओं में उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति को लेकर स्थानीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। इसका मतलब है कि हर वार्ड में जमीनी समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और जीत की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सीट बंटवारे पर फैसला होगा। बीएमसी चुनाव में यह नया समीकरण सत्ताधारी और अन्य विपक्षी दलों के लिए चुनौती बन सकता है और मुंबई की राजनीति में नए समीकरण गढ़ सकता है। मुंबई में 227 सीटों में से वंचित बहुजन आघाडी 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दोनों दलों ने कहा कि राज्य की अन्य 25

महानगरपालिकाओं में गठबंधन पर स्थानीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। इसके लिए दोनों दलों ने स्थानीय नेतृत्व को अधिकार दिए हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस के स्थापना दिवस पर गठबंधन होना विशेष महत्व रखता है। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय तिलक भवन में हर्षवर्धन सपकाल और वंचित बहुजन आघाडी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धैर्यवर्धन पुंडकर ने गठबंधन की घोषणा की। इस दौरान सपकाल ने कहा कि बीएमसी चुनाव में बीजेपी को रोकने के लिए यह नैसर्गिक गठबंधन किया गया है। बीजेपी सरकार ने प्रशासक के जरिए बीएमसी में भ्रष्टाचार के कीर्तिमान बनाए है। कांग्रेस और वीबीए मिलकर बीजेपी के भ्रटाचार को रोकेगी।

हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी का गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है। दोनों दलों के विचार समान है। दोनों दल संवैधानिक मूल्यों से समझौता नहीं करते। वर्ष 1998 और 1999 के चुनावों में दोनों के बीच गठबंधन हुआ था। अब 25 वर्षों बाद दोनों दल फिर एक साथ आए हैं। इस प्रक्रिया में थोड़ा समय लगा, लेकिन एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई है।

वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धैर्यवर्धन पुडकर ने कहा कि देश को बांटने वाली बीजेपी को रोकने के लिए दोनों दल एक साथ आए है। गठबंधन के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पहला कदम उठाया और शुरुआत से ही सकारात्मक भूमिका निभाई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वचित बहुजन आघाडी 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ मौकले ने कहा कि गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर चर्चा कभी पूरी तरह संतोषजनक नहीं होती, लेकिन कहीं न कहीं रुकना पड़ता है। गठबंधन के लिए दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई महानगरपालिका के लिए गठबंधन की घोषणा की गई है। तिलक भवन में आयोजित सयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ सचिन सावंत आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा का सवाल, भारत सरकार उचित कार्रवाई का दबाव बनाए

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है!

यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है।

गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है।

पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे। इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजंसियों की नहीं, तो और किसकी है?

हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिससे वहां की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात छिपी नहीं है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों तथा उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर लक्षित तरीके से हमले की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधार्थी छात्र और उससे पहले एक भारतीय महिला की हत्या को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, टोरंटो के दक्षिण-पूर्वी एडमोंटन स्थित अस्पताल में भारतीय मूल के व्यक्ति को आठ घंटे तक इलाज मुहैया न कराने की घटना प्रथम दृष्टया नस्लीय भेदभाव का मामला ही प्रतीत होता है।

इस तरह की घटनाओं को लेकर समान रूप से यह बात भी सामने आई है कि वहां की सुरक्षा एजंसियां कार्रवाई में उतनी तत्पर नजर नहीं आती, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि जांच अधिकारी जानबूझकर लापरवाही बरतने का प्रयास करते हैं।

ऐसे में भारत सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों को कूटनीतिक स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जाए और उचित कार्रवाई का दबाव बनाया जाए। वहीं, कनाडा की सरकार को भी यह बात समझनी होगी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के प्रयास वहां रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना सिरे नहीं चढ़ पाएंगे।

डिजिटल संसार में सेहत के जोखिम : भारत में तस्वीर थोड़ी जटिल, स्कूलों को भी अपनी भूमिका पर विचार करना होगा

यह मानव स्वभाव है कि हर पीढ़ी अपने बच्चों को खुद से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास करती है। मगर ऐसा लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी सी स्क्रीन में सौंप दी है। बच्चे अब पहाड़, समुद्र, युद्ध, महामारी और उत्सव सब कुछ अंगुलियों के एक स्पर्श से देख सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे इस दुनिया को समझ भी पा रहे हैं? या फिर सिर्फ देख रहे हैं, बिना याद रखे, बिना गहराई से महसूस किए?

इसी प्रश्न के बीच दो नई आदतें उभरकर सामने आती हैं, 'बेड-राटिंग' और स्क्रालिंग संस्कृति, जो बच्चों की दृश्य स्मृति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित कर रही हैं। 'बेड-राटिंग' का अर्थ है- लंबे समय तक बिस्तर पर ही पड़े रहना और मोबाइल चलाते रहना। पढ़ाई, मोबाइल, खाना और आराम सब कुछ एक ही जगह पर। यह आदत अकसर थकान या उदासी के नाम पर शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे जीवनशैली बन जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब बिस्तर केवल सोने की जगह न रहकर जागने और स्क्रीन देखने का केंद्र बन जाता है, तो दिमाग को स्पष्ट संकेत नहीं मिलते। इसका सीधा असर नींद की गुणवत्ता और स्मृति निर्माण की प्रक्रिया पर पड़ता है। बच्चों के मामले में यह स्थिति और भी संवेदनशील है। उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है।

'विजुअल प्रोसेसिंग' यानी दृश्य प्रसंस्करण वह क्षमता है, जिससे बच्चा आकार, रंग, दूरी, दिशा और गति को समझता है। दृश्य स्मृति वह शक्ति है, जिससे वह देखी हुई जानकारी को याद रखता है, चाहे वह शब्दों का रूप हो, किसी का चेहरा हो या रास्ते की पहचान। इन क्षमताओं का विकास केवल किताबों या स्क्रीन से नहीं होता, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुभवों से होता है, जैसे खुली जगह, खेल, दौड़ना, चेहरे पढ़ना, और वस्तुओं को छूकर समझना आदि।

लगातार बिस्तर पर रहकर एक सीमित दूरी से स्क्रीन देखना दृश्य अनुभव को संकुचित कर देता है। ऐसे में बच्चा तेज, चमकीली और लगातार बदलती तस्वीरों का आदी हो जाता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान से जुड़े शोध बताते हैं कि इस तरह के एकरूप दृश्य अनुभव से मस्तिष्क के ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और दृश्य विशेष कौशल कमजोर हो सकता है। इसका असर आगे चलकर पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता पर भी दिखता है।

इसी सीमित दृश्य संसार में प्रवेश करती है 'डूम-स्क्रालिंग' यानी नकारात्मक, डराने वाली और संकट से भरी सूचनाओं को बिना रुके देखते जाना। महामारी, युद्ध, अपराध और आपदाओं की लगातार तस्वीरें बच्चों और किशोरों के मन में यह भावना बैठा देती हैं कि दुनिया असुरक्षित और भयावह है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, इस तरह की आदत चिंता, अवसाद और मानसिक थकान बढ़ाती है।

चिंतित दिमाग न तो ध्यान केंद्रित कर पाता है और न ही नई जानकारी को ठीक से याद रख पाता है। इसके विपरीत हाल के वर्षों में 'ब्लूम-स्क्रालिंग' की अवधारणा सामने आई है, यानी सकारात्मक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक सामग्री को चुनकर देखना। सही तरीके से अपनाया जाए, तो यह बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद और रचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश डिजिटल मंच बच्चों को सोच-समझकर चुनने की बजाय लगातार स्क्राल करते रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

एल्गोरिदम का उद्देश्य मानसिक विकास नहीं, बल्कि स्क्रीन-समय बढ़ाना होता है। 'बेड-राटिंग' और 'स्क्रालिंग' संस्कृति का समग्र प्रभाव बच्चों की ध्यान-क्षमता पर साफ दिखाई देता है। शिक्षक बताते हां कि बच्चे लंबे समय तक किसी पाठ पर ध्यान नहीं लगा पाते। इस पर हुए अध्ययन इस बात का संकेत देते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन-उपयोग से क्रियाशील स्मृति और अनुक्रमिक विचारशीलता कमजोर हो सकती है। नींद इस पूरी समस्या का केंद्र है।

वैज्ञानिक रूप से यह स्थापित तथ्य है कि स्मृति विशेषकर दृश्य नींद के दौरान स्मरण शक्ति में स्थायित्व हासिल करते हैं। जब बच्चे देर रात तक बिस्तर पर स्क्रीन देखते रहते हैं, तो नींद की अवधि ही नहीं, उसकी गुणवत्ता भी घटती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को दबाती है, जिससे दिमाग को आराम का संकेत नहीं मिल पाता। नतीजतन अगला दिन थकान, चिड़चिड़ेपन और ध्यान-भंग के साथ शुरू होता है।

एक समय था, जब परिवार के बुजुर्ग बच्चों से सहज रूप से पूछ लेते थे- 'कोई पहाड़ा सुनाओ।' यह केवल गणित का अभ्यास नहीं था, बल्कि बच्चे की मानसिक सक्रियता को परखने का तरीका था। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो पहाड़ा याद करना क्रियाशील स्मृति, अनुक्रमित प्रसंस्करण और दृश्य श्रवण समन्वय तीनों को सक्रिय करता है। बच्चे को अंकों की दृश्य छवि बनानी होती है, क्रम याद रखना होता है और बिना रुके सही उत्तर देना होता है।

तंत्रिका तंत्र विज्ञान बताता है कि ऐसी गतिविधियां मस्तिष्क के उन खास हिस्सों को सक्रिय करती हैं, जो ध्यान और स्मृति के लिए जिम्मेदार हैं। आज जब उत्तर एक क्लिक में स्क्रीन पर मिल जाता है, तो दिमाग की वह कसरत नहीं हो पाती है। दुनिया के कई देशों ने इस बदलती स्थिति को गंभीरता से लिया है। फ्रांस, डेनमार्क और नार्वे जैसे देशों में बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं।

आस्ट्रेलिया में तो सोलह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। यूरोप के कई स्कूलों में 'डिजिटल वेल बीइंग' यानी डिजिटल तकनीक के संतुलित उपयोग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि बच्चे तकनीक का उपयोग करना सीखें, उसके गुलाम न बनें।

भारत में तस्वीर थोड़ी जटिल है। यहां डिजिटल साधनों को शिक्षा और अवसर के रूप में देखा जाता है, जो सही भी है। मगर इस उत्साह में बच्चों के मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की अनदेखी हो रही है। शहरी घरों में बच्चों का खेल मैदान मोबाइल बन चुका है। छोटे शहरों और कस्बों में भी यही प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिणामस्वरूप बच्चों का दृश्य संसार सीमित और एकरूप होता जा रहा है।

यह कहना जरूरी है कि समस्या तकनीक नहीं, उसका असंतुलित उपयोग है। स्क्रीन अपने आप में न तो शत्रु है और न समाधान, यह एक माध्यम है। सवाल यह है कि क्या बच्चों को स्क्रीन के अलावा भी देखने, चलने, खेलने और सोचने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि नहीं, तो उनकी दृश्य स्मृति और समझ अधूरी ही रह जाएगी। इस मामले में माता-पिता की भूमिका निर्णायक है। घर में यह स्पष्ट होना चाहिए कि बिस्तर केवल सोने की जगह है, पूरे दिन की गतिविधियों का केंद्र नहीं। स्क्रीन-मुक्त समय और स्थान तय करना, बच्चों के साथ बैठकर सामग्री चुनना तथा उनके डिजिटल अनुभव पर संवाद करना आज की जरूरत है।

स्कूलों को भी अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल तकनीक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि यह समझाना भी है कि इसमें परोसी जा रही सामग्री का बच्चों के दिमाग पर कैसा असर हो रहा है। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि नकारात्मक सूचनाओं और सामग्री से मानसिक दूरी कैसे बनाई जाए और सकारात्मक जानकारी को कैसे चुना जाए। बच्चों का मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य केवल परिवार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उम्र-आधारित दिशा-निर्देश, डिजिटल मंच की जवाबदेही और सार्वजनिक जागरूकता, तीनों पर एक साथ काम करने की जरूरत है।

प्रायश्चित वक्त का मोहताज नहीं कल की गलती को आज का सबक बनाता है

प्रायश्चित एक मानवीय भावना है, जो हमें जीवन में सही राह पर जाने की प्रेरणा प्रदान करती है। कई बार हमें यह भी लगता है कि अब वक्त निकल गया, तो अब इसके विषय में क्या ही किया जा सकता है। मगर प्रायश्चित का यह भाव किसी भी वक्त का मोहताज नहीं होता है। यह हमारे कल की गलती को आज का सबक बनाता है, जिससे आजीवन हम सीखते रहते हैं।

जीवन में हम सभी कभी न कभी किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठते हैं। यह मानव होने के नाते स्वाभाविक ही है कि हमसे गलती होगी। हमारी यही गलतियां हमें बहुत कुछ सिखाती है। चाहे आर्थिक मामले हों, सामाजिक मामले या फिर कोई भावनात्मक, प्रायश्चित उस हर गलती के लिए एक जरूरी अध्यापक की तरह है, जो हमें सिखाता है कि एहसास के इस भाव से हम अपने आने वाले वक्त को कैसे सुधारें।

कई बार कुछ लोगों को ऐसा भी लग सकता है कि हमें अपनी भूलों के प्रति इतना ज्यादा गंभीर नहीं होना चाहिए, क्योंकि ये हमें शायद नकारात्मकता की ओर ले जाएं। मगर प्रायश्चित और पश्चाताप दोनों में काफी फर्क है। प्रायश्चित हमें अपनी गलतियों को सुधारने की दिशा में लेकर जाता है, जबकि पश्चाताप केवल एक अहसास है।

प्रायश्चित एक महत्त्वपूर्ण चीज है, जो क्रियात्मक रूप में की जाती है। इसलिए पश्चाताप के बजाय प्रायश्चित की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, ताकि हम नकारात्मक न बनें और अपनी भूलों को सुधारने के प्रयास में लग जाएं। हम सफल तभी होंगे, जब हमारा मन इस ओर बिल्कुल पवित्र, सहज और सरल होगा। ऐसे में यह भावना हमें किसी भी तरह की नकारात्मकता प्रदान नहीं कर सकती है।

हम सभी को याद होगा कि जब हम बचपन में परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं कर पाते थे और परीक्षा में कम अंक लाने पर हमारा मन अंदर ही अंदर दुखी होता था। साथ ही अपना मूल्यांकन करता रहता था। वह हमारा पश्चाताप होता था, लेकिन हम उस भूल को सुधारकर कड़ी मेहनत के साथ अगली बार परीक्षा में अच्छे अंक ला पाते थे, तो वह भी हमारा प्रायश्चित था।

प्रायश्चित वह भाव है, जो हमें जीवन की सीख देता है और एक उत्कृष्ट जीवन जीने का तरीका सिखाता है, लेकिन इस भाव को इस रूप में भी नहीं लेना चाहिए कि हर छोटी से छोटी गलती को या किसी भूल को हम गम बना लें और जीवन भर उसे सीने से लगाकर घूमें। बल्कि इसे अपने अंदर सकारात्मक बदलाव का संदेश समझकर उसके मूल भाव को दृष्टिकोण में रख कर अपने सामर्थ्य के अनुसार सुधारात्मक प्रयास करना चाहिए। अगर हम गम गले से लगा कर रखेंगे तो पूरी जिंदगी असफलता, बेचारगी और कटुता को लेकर घूमेंगे।

इस तरह से पश्चाताप करना प्रायश्चित का मूल उद्देश्य बिल्कुल नहीं है। इसके मूल में यही बात छिपी है, जिसे हम समझाइश, शिक्षा या अनुभव का नाम दे सकते हैं। इस अनुभव के लिए छोटी उम्र से ही हमारे अभिभावक, शिक्षक और बड़े-बुजुर्ग हमें हिदायतें देते रहते थे।

हिदायतें हमें प्रायश्चित का मूल्य प्रदान करती रही हैं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं निकाला जाना चाहिए कि हर बार हर व्यक्ति को उसकी गलती को महसूस कराते रहना चाहिए, क्योंकि लगातार मिलने वाली हिदायतें, नसीहतें भी कभी-कभार बोझ लगने लगती है और फिर अपना अस्तित्व खोने लगती है।

ऐसे में कई बार ऐसा भी होता है कि व्यक्ति अपना सर्वस्व ही खोने लगे। इसलिए कुछ बड़े और गंभीर विषयों को लेकर ही इस तरह की चीजों को प्रयोग में लाया जाना चाहिए, वरना व्यक्ति निराशावादी और यथास्थितिवादी भी बन सकता है।

दरअसल, अति हर चीज की बुरी होती है। यही विचार उस व्यक्ति पर भी लागू होता है जो पश्चाताप की अग्नि में जल रहा होता है। बिना किसी बड़ी बात के पश्चाताप करना गलत है, क्योंकि यह न केवल हमारे वक्त की बर्बादी है, बल्कि उपयोगिता विहीन विषय है। पश्चाताप का भाव रखना ठीक है, लेकिन उसे नियंत्रित रखना और प्रायश्चित का रूप देना चाहिए।

पश्चाताप के साथ ही साथ हमें प्रायश्चित को महत्त्व देना चाहिए, ताकि हम अपने जीवन में उपयोगी और सुधारात्मक विषयों यथा करिअर, भावनात्मक भूलें, प्रतिष्ठा, जीवन मूल्यों आदि के लिए सार्थक प्रयास कर सकें। पश्चाताप के अति भावुक पक्ष में घुसकर हमें कुछ हासिल नहीं होगा, बल्कि हम खुद को जीवन भर कोसते रहेंगे और अपने समय की बर्बादी कर बैठेंगे।

जरूरत इस बात की है कि हम अपने बड़ों और ऐसे लोगों, जो हमारे शुभचिंतक हैं, उनकी बातों को सकारात्मक रूप में लें। समाज में भी बहुत से लोग हमें कई बातें सिखाते हैं, जिनमें से कुछ अच्छी होती हैं और कुछ व्यर्थ की होती हैं। ऐसे में चुनाव करना सीखना चाहिए।

पश्चाताप एक पवित्र मानवीय भावना है और इसका एक क्रियात्मक पक्ष है। इसको गलती सुधारने और अपना जीवन पक्ष मजबूत बनाने के लिए उपयोगी बनाना चाहिए। अन्य व्यर्थ के मुद्दों को लेकर मन को दुखी नहीं करना चाहिए। समय बहुत ही कीमती है और अपने भावों को नियंत्रित करके रखना, यह बात सीखना भी उतना ही कीमती है।

अगर हम अपने भावों को नियंत्रित कर पाए, तो देख सकते हैं कि एक इंसान होने के नाते हम कितनी तरक्की करते हैं। ये तरक्की ही हमारे सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय पक्ष को मजबूत बनाएगी। इसलिए हम पश्चाताप का भाव रखें, लेकिन नियंत्रित तौर पर और प्रायश्चित पर ध्यान दें, ताकि हम इसके सही अर्थ को समझें और अपने आपको निरंतर निखारें।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परोक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बंगलादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न पर संयुक्त राष्ट्र संघ की विफलता का द्योतक है। हाल के दिनों में भारत और बंगलादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है।

यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बंगलादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है। यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। इसकी एक बड़ी वजह बंगलादेश में हिंदुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि 1971 में हिंदू बांग्लादेश की आबादी का 22इ थे, जो अब घटकर 8इ से कम रह गए हैं, जो मुख्यतः उत्पीड़न और पलायन के कारण हुआ है।

एक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च के मुताबिक, 16 लाख हिंदू भारत चले गए, क्योंकि बंगलादेश में हिंदुओं की भूमि हड़पना, बलात्कार और मंदिर तोड़फोड़ आम अपराध हैं। इससे जुड़े आंकड़े और रिपोर्ट की मानें तो 2025 के पहले छह महीनों में 258 हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें 20 बलात्कार और 59 पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। कुल 4 अगस्त 2024 से जून 2025 तक 2, 244 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता का आरोप है, जिससे अपराधी बेखौफ हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बंगलादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने बांग्लादेश में हिंदू हत्याओं पर प्रत्यक्ष रूप से कोई स्पष्ट सार्वजनिक बयान या ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे उनकी सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में हिंसा को उनकी कथित कट्टरपंथी नीतियों से जोड़ा गया है, लेकिन आधिकारिक प्रतिक्रिया में केवल सामान्य शांति अपील तक सीमित रहने का उल्लेख है। इसलिए उनपर आरोप लगते हैं और आलोचना भी होती है कि युनुस सरकार पर जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके बाद हिंदू हत्याओं में वृद्धि हुई।

वहीं, भारतीय मीडिया और विपक्षी नेता भी उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि युनुस ने भारत के दबाव में जांच के वादे किए बिना कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया। जहां तक अंतरराष्ट्रीय दबाव की बात है तो भारत और ब्रिटेन जैसे देशों ने युनुस से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं दिखा। वहीं, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन से युनुस पर हिंदू उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जहां तक इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का सवाल है तो भारत सरकार ने लोकसभा में मामले उठाया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने विरोध प्रदर्शन किए। वहीं, ब्रिटिश सांसदों ने युनुस सरकार पर कार्रवाई की मांग की।

बता दें कि भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

जहां तक कूटनीतिक प्रयास की बात है तो भारतीय विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और घरों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरिम सरकार से कार्रवाई की अपेक्षा रखता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका में बांग्लादेशी समकक्ष से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की। वहीं भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा उजागर करता है, लेकिन सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार मानता है। जहां तक गृह मंत्रालय की भूमिका की बात है तो गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर विशेष समिति गठित की है जो हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति की निगरानी करती है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उत्पीड़ित हिंदू, सिख आदि को भारत में शरण प्रदान की जा रही है।

वहीं, विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों ने भी इस मामले में पहल की है। खासकर आरएसएस ने अपनी शताब्दी बैठक में विदेशों में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए संकल्प पारित किया तथा संरक्षण तंत्र की मांग की। जबकि कुछ विश्लेषकों ने 'राइट टू प्रोटेक्ट' सिद्धांत अपनाने का सुझाव दिया है, जिसमें सीमा पर सुरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे कदम शामिल हैं।हालांकि इस दिशा में चुनौतियां की काफी हैं, क्योंकि भारत विदेशी सरकारों पर दबाव बनाता है, लेकिन प्रत्यक्ष हस्तक्षेप सीमित रहता है क्योंकि संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। वहीं वैश्विक शक्तियां जैसे अमेरिका-ब्रिटेन भी हिंसा की निंदा करती हैं, जो भारत के प्रयासों को मजबूती देती हैं।

पिछले साल आपने देखा होगा कि चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश संमिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता और पूर्व इस्कॉन नेता, को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी का मुख्य कारण चटगांव में 25 अक्टूबर को हुई रैली में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर केसरिया झंडा फहराने का आरोप था, जहां वे हिंदू अल्पसंख्यकों के आठ सूत्री मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यक हिंसा के खिलाफ बड़े प्रदर्शनों (चटगांव और रंगपुर में) से जुड़ी थी, जिसे बांग्लादेशी अधिकारी राजद्रोह मानते हैं। बाद में चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम की हत्या के मामले में भी उन्हें आरोपी दिखाया गया, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसक झड़पों से उपजा। अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने राजद्रोह मामले में जमानत दी, लेकिन स्टे लग गया और वे जेल में हैं।

इसका तत्काल प्रभाव यह हुआ कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किए, जिससे हिंसक झड़पें हुईं और एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन जैसे समूहों ने इस्कॉन पर प्रतिबंध की मांग की। इस मुद्दे पर भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी आई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गिरफ्तारी और जमानत अस्वीकार पर गहरी चिंता जताई तथा बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। इससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा, जहां भारत हिंदू अधिकारों पर जोर दे रहा है। इसका व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि यह घटना बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न का प्रतीक बनी, जिससे वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहस तेज हुई। चिन्मय दास हिंदू समुदाय के प्रतिरोध के चिह्न बन गए।

यद्यपि भारत-बंगलादेश एक दूसरे के पूरक हैं, फिर भी उसपर बढ़ता पाकिस्तानी प्रभाव भारत के लिए चिंता का सबब है। लिहाजा भारत सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह बंगलादेश के साथ कूटनीतिक स्तर पर कड़ाई बरते। अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी स्तर पर प्रतिबंध लगाए। उसको शह देने वाले पाकिस्तान की नकेल कसे। यदि अमेरिका-चीन की भूमिका सामने आए तो उनके खिलाफ भी स्पष्ट और सख्त रुख दिखाया जाए कि आसेतु हिमालय में न तो किसी की दादागिरी चलेगी और न ही किसी तरह के षड्यंत्र को चलने दिया जाएगा। भारत सरकार इस मुद्दे पर खड़ी रणनीति अपनाए और एकबारगी सख्त सैन्य कार्रवाई करके अपने मजबूत इरादे का परिचय दे, क्योंकि बिनु भय होंहिं न प्रीति…यह बात जगजाहिर है।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

घूरपुर पुलिस द्वारा हत्या का प्रयास करने का अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी का बैट बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 465/2025 धारा 109/352/351(2) बीएनएस के 01 नामित अभियुक्त हिमांशु सिंह पुत्र मुल्कराज सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को कंजासा मोड़ थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी का बैट बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

वादी राजेश प्रताप सिंह पुत्र लखपत सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पर दी गई तहरीर बावत विपक्षीगण द्वारा क्रिकेट में चन्दा नही देने को लेकर वादी के भतीजे को भद्दी-भद्दी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देना व आरोपी हिमांशु सिंह पुत्र मुल्कराज सिंह निवासी ग्राम कैनुआ थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा वादी के भतीजे को जान से मारने की नियत से बैट से सर पर मारकर घायल कर देने के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 465/2025 धारा 109/352/351(2) बीएनएस पंजीकृत

किया गया । थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त हिमांशु सिंह उपरोक्त को घटना में प्रयुक्त 01 लकड़ी के बैट के साथ थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त हिमांशु सिंह उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि 27.12.2025 को घर के पास मैदान में क्रिकेट मैच हो रहा था, विपक्षी टीम के खिलाड़ी/वादी के भतीजे द्वारा मुझ पर अभद्र हूटिंग की जा रही थी । खेल के दौरान गेंद काफी खराब हो गयी थी, दूसरी नई गेंद मैं लाया था जिसमे वादी के भतीजे ने पैसा नही दिया था । इसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिससे मैंने क्रोधित होकर अपने बैट से उसके सर पर वार कर दिया था, जिससे उसके सर में चोट लग गयी थी ।

श्रीरामार्चा पूजन में शामिल हुए संत-महात्मा, लिया भण्डारे का प्रसाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के महावीर मार्ग पर महामण्डलेश्वर स्वामी रामदास टाटाम्बरी महराज के शिविर में आज श्रीरामार्चा पूजन और विशाल भण्डारा हुआ जिसमें खाक चौक व्यवस्था समिति के संत, महात्मा और बडी संख्या में शिष्य शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। शिविर के व्यवस्थापक महामण्डलेश्वर स्वामी ध्रुवदास महराज ने बताया कि शिविर में श्रीरामार्चा पूजन आज सुबह सात बजे से शुरू हो गया था जिसमे सभी संत, महात्मा और बडी संख्या मे शिष्य शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस पूजन मे भगवान श्रीराम, माता जानकी सहित उनके पूरे परिवार, दरबार के देवताओं का पुष्प से पूजन, अर्चन होता है इससे सभी को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। दोपहर बाद से विशाल भण्डारा शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करने में महामण्डलेश्वर स्वामी रामतीर्थ दास महराज, महामण्डलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास महराज, स्वामी दामोदर दास, स्वामी वैष्णव दास, रामायणीकुटी, जगदगुरु रामसुभग दास बिनैका बाबा, महामण्डलेश्वर स्वामी गोपालदास महराज खाक चौक के सभी संत, महात्मा और बडी संख्या मे शिष्य परिवार सहित शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया।

श्रीराम कथा का समापन पर भंडारा आज

पति-पत्नी का झगड़ा से बनता है कोपभवन - प्रपन्नाचार्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पति-पत्नी में घर झगड़ा होता है तो कोपभवन अपने आप बन जाता है, बनाने की जरूरत नहीं होती है जब महिला अपने बाल खोल कर और बिना मांग भर रहती है घर में अशांति रहती है, किसी बात को लेकर यदि घर में विवाद हो जाय तो पति-पत्नी में बोल चाल बंद नहीं करना चाहिए, यदि बोलचाल बन्द होने पर पड़ोसी मंथरा बन कर बहुत नुक्सान कर सकती है। यह बात सोमवार को आठवें दिन श्रीराम कथा में प्रपन्नाचार्य ने कही।

वे कालिंदी पुरम में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रही कथा में कैक ई मंथरा प्रसंग को बहुत अच्छे ढंग से रखा। उन्होंने कहा कि कोपभवन में कैकेई ने दशरथ से भरत को राजगद्दी देने का वरदान मांगा और राम को 14 साल का बनबास मांगा, वंश को बचाने के लिए दशरथ ने कैकेई का चरण पकड़ लिए, तब भी वह उनकी बात नहीं मानी। मंगलवार

को नवें दिन श्रीराम कथा के समापन पर भंडारा आयोजित किया गया है जो शाम 5 बजे से शुरू होगा । कथा में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन चन्द्र दीक्षित, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार पाण्डेय, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एस पी सिंह, श्रीनाथ द्विवेदी, रितेश सिंह, आत्मदेव मिश्रा, अमरजीत सिंह मुन्ना, बैजंत मिश्रा, सत्येन्द्र तिवारी, अंकित गौड़, संतोष पाण्डेय, संजय चौरसिया, मनोज कुमार गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, रागिनी श्रीवास्तव, घनश्याम गुप्ता, नवनीत श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, सीपी मिश्र निर्भय श्रीवास्तव, घनश्याम सिंह, सुशील पांडेय, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

घंटों जाम से हलाकान रहे शहरी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला की तैयारी के मद्देनजर पुलिस ने सोमवार को रूट डायवर्जन का पूर्वाभ्यास किया। अलोपीबाग चुंगी व बांगड़ धर्मशाला चौराहा समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर अचानक बैरिकेड्स लगाने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। देखते ही देखते प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसने से नाराज लोगों की ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से हल्की नोकझोंक भी हुई। लोगों ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान भी पुलिस के दावे फेल हो गए थे। मेला के दौरान रोजाना भीषण जाम का सामना करना पड़ता था। अब माघ मेला के पूर्वाभ्यास के दौरान भी समस्या झेलनी पड़ी।

इधर, वाहनों के बढ़ते दबाव व जाम को देखते हुए पूर्वाभ्यास को आनन-फानन में खत्म कर आवागमन बहाल किया गया।

माघ मेला से पहले अचानक संगम क्षेत्र पहुंचे डिप्टी सीएम केशव, अफसरों में मच गया हड़कंप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सोमवार देर शाम डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अचानक माघ मेले की तैयारियों का निरीक्षण करने संगम क्षेत्र पहुंच गए। डिप्टी सीएम के मेला क्षेत्र में पहुंचने से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वह सबसे पहले संगम नोज पर पहुंचे और गंगाजल से आचमन किया। पूजा-अर्चना कर माघ मेले के सकुशल और निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की। उन्होंने कहा कि माघ मेला को मिनी कुम्भ के रूप में मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश सरकार ने दिए हैं। जो कमियां है उसे निर्धारित समय में पूरा करने और तीन जनवरी से मेला प्रारंभ होने तक कोई काम बकाया न रहने के निर्देश दिए हैं।

डिप्टी सीएम ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हम माघ मेले को मिनी कुम्भ मेले के रूप में मनाएंगे। सभी तीर्थयात्रियों से अपील की कि सिर्फ गंगा मइया में डुबकी लगाकर न जाएं बल्कि एक महीने का कल्पवास करें। कल्पवास नहीं कर सकते तो दो-चार या पांच दिन का अल्पवास करके मेले का आध्यात्मिक और अलौकिक आनंद लें।

जमीन आवंटन को लेकर संतों की नाराजगी पर कहा कि सभी अफसरों को निर्देश दिए है जमीन आवंटन समेत जो भी काम है अभियान चलाकर पूरा करें। कहा कि मेले में चाक चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं और यहां आने वाले साधु-संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी। अविरल और निर्मल गंगा जल मिले इसके लिए भी सिंचाई विभाग की ओर से गंगा में पर्याप्त जल की उपलब्धता पूरे मेले के दौरान बनी रहेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद लगातार गंगा अविरल और निर्मल हुई है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हर माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ मेला दिव्य और भव्य हो रहा है।

किन्नर अखाड़ा का माघ मेला में शिविर के लिए भूमि पूजन आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा का माघ मेला में शिविर के लिए भूमि पूजन मंगलवार को दोपहर 12 बजे सेक्टर छह संगम लोवर - ओल्ड जीटी रोड चौराहे पर होगा। भूमि पूजन किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) महराज बडी संख्या में शिष्य और श्रद्धालुओं के साथ करेगी।किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) ने बताया कि शिविर में कथा, प्रवचन, पूजन, हवन, भण्डारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज और यामाई श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर ममतानंद गिरि का आगमन पांच जनवरी को माघ मेला मे लगे शिविर मे होगा जो शिविर में माघी पूर्णिमा तक रहेगी। किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मा) ने बताया कि किन्नर

अखाडा से सनातन धर्म को मजबूती मिल रही है और सनातन धर्म का प्रचार - प्रसार हो रहा है और बडी संख्या मे लोग सनातन धर्म से जुड रहे है। उन्होंने कहा कि माघ मास के दौरान बडी संख्या मे किन्नर संत, महात्मा, शिष्य और श्रद्धालु माघ मेला में लगे शिविर में माहभर रहकर कल्पवास करेगे। शिविर व्यवस्थापक किन्नर अखाडा के संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज है।

जनवरी में होगा वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) देश का जाना-माना कोचिंग संस्थान है जो जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है. वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे. ये टेस्ट 4, 11, 18, 25 जनवरी को होगा जिसके जरिए देशभर के अच्छे छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा. यह स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें शैक्षिक सफलता की ओर प्रेरित करने के लिए आयोजित किया जाएगा।

यह परीक्षा उन छात्रों के लिए है जो कक्षा 6वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं में जा रहे हैं। उन्हें विद्यामंदिर क्लासेज के विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले और 100इ तक की स्कॉलरशिप पाने का अवसर मिलेगा। इस टेस्ट के माध्यम से छात्र जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी में भी

बढ़त हासिल करेंगे। इसके तहत वीएमसी संस्थापकों और विशेषज्ञों द्वारा मेंटॉरशिप / मोटिवेशनल सेशंस, निःशुल्क डाउट रिज़ॉल्यूशन, निकटतम वीएमसी केंद्र पर अकादमिक सहायता, अच्छी तरह से शोधित और वैज्ञानिक आधार पर तैयार किया गया ई-स्टडी मैटेरियल और असीमित मॉक टेस्ट का लाभ भी दिया जाएगा।

वीएमसी पूरे देश में नेशनल एडमिशन टेस्ट का आयोजन अपने प्रतिष्ठित क्लासरूम और ऑनलाइन प्रोग्राम्स के लिए छात्रों का चयन करने हेतु करता है। इन प्रोग्राम्स को जेईई और नीट के साथ-साथ ओलंपियाड्स और बोर्ड्स जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

विद्यामंदिर क्लासेज के सह-संस्थापक श्री बृज मोहन ने कहा 'विभिन्न चरणों में छात्रों की जरूरतों को समझना वीएमसी की शिक्षण पद्धति की प्रेरणा रहा है। यही कारण है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। वीएमसी में कक्षाओं का नेतृत्व संस्थापकों और अत्यधिक अनुभवी फैकल्टी सदस्यों द्वारा किया जाता है, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करते हैं।'

विद्यामंदिर क्लासेज का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की एक ठोस नींव तैयार करना और योग्य और प्रेरित इंजीनियरों और डॉक्टरों को तैयार करना है। जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने वाले छात्रों को, जो देश के शीर्ष इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन करना चाहते हैं, इस परीक्षा को जरूर देना चाहिए।

प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों की एकदिवसीय कार्यशाला संपन्न

शिक्षा के विकास में जन सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका : विधायक गुरु प्रसाद मौर्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विकास खण्ड कौड़िहार क्षेत्र के ग्राम प्रधान, सभासद एवं प्रधानाध्यापकों की उन्मुखीकरण कार्यशाला ब्लॉक संसाधन केंद्र कौड़िहार नवाबगंज में संपन्न हुई। अध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य ने उपरोक्त बातें कहीं। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापकों के साथ ग्रामप्रधानों को मिलाकर 88 लोग मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में विकासखंड के 6 शिक्षकों सहित एक शिक्षामित्र एवं एक अनुदेशक को सम्मानित किया गया। जिसमें नीलू सिंह, कंचन सिंह, दुर्गेश केसरवानी, सुमन, धीरेंद्र श्रीवास्तव, प्रीति सिंह, मोहम्मद नफीस व रघुवंश मणि त्रिपाठी रहे।

ऑपरेशन कायाकल्प में अच्छा कार्य कर रहे ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जयप्रकाश मौर्य, केशबहादुर मौर्य, शमशेर बहादुर एवं रामनारायण आदि रहे।

कार्यक्रम में योगदान के लिए खंड शिक्षा अधिकारी क्षमाशंकर पांडेय ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले मुख्य अतिथि विधायक फाफामऊ, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार, ग्राम प्रधानों, रंगोली टीम, एआरपी एकेडमिक टीम, बीआरसी टीम व प्राथमिक शिक्षक संघ को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

परमार्थ निकेतन में वेदान्त कोर्स का शुभारम्भ

वेदान्त केवल दर्शन या बौद्धिक विषय नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की कला : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। हिमालय की गोद में, माँ गंगा के पावन तट पर स्थित परमार्थ निकेतन के दिव्य और शांत वातावरण में वेदान्त कोर्स का शुभारम्भ आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्व के अनेक देशों से आये योग साधक, साधिकाएँ और आध्यात्मिक जिज्ञासु वेदान्त के गूढ़ सिद्धान्तों को आत्मसात करने हेतु एकत्रित हुए।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि वेदान्त केवल दर्शन या बौद्धिक विषय नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की कला है। वेदान्त हमें यह स्मरण कराता है कि हम केवल शरीर या मन नहीं हैं, बल्कि अनन्त, शाश्वत और दिव्य आत्मा हैं। जब मनुष्य इस सत्य को जान लेता है, तब भय, तनाव और अशान्ति स्वतः समाप्त हो जाते हैं।

परमार्थ निकेतन का यह वेदान्त कोर्स न केवल बौद्धिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि साधकों को आत्मिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें संतुलित, जागरूक और संवेदनशील जीवन जीने की प्रेरणा देता है। माँ गंगा की निर्मल धारा, हिमालय की शान्त उपस्थिति और गुरुओं का सान्निध्य इस कोर्स को और भी दिव्य बना देता है।

सभी साधकों ने इस पावन अवसर के लिए परमार्थ निकेतन और पूज्य स्वामी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा संकल्प लिया कि वे वेदान्त के सुन्दर संदेश को अपने जीवन में उतारकर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाएँगे।

भागवत कथा सुनने से जीवन मरन मुक्ति संभव-जन्मेजय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नर्वदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक जन्मेजय कृष्ण ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जो प्रेम से सुनते हैं उनको जीवन मरन और आवागमन से मुक्ति मिल जाती है। श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ तो देवताओं ने स्तुति की। वासुदेव ने जैसे ही कृष्ण भगवान को टोकरी में लेटाकर सिर पर रखा, उनकी हथकड़ियां और बेड़ियां अपने आप खुल गई, पहरेदार सो गये, यमुना नदी में आगे बढ़ते ही पानी का जलस्तर बढ़ने लगा, श्रीकृष्ण ने अपना पैर नीचे किया और जलस्तर नीचे चला गया वे आसानी ने नदी पार कर नंद गांव पहुंच गए, कंस ने अपने गुप्तचरों को लगाया और पूतना राक्षसी को सक्रिय किया ताकि श्रीकृष्ण को खोज कर मारा जा सके। कंस की बेचैनी बढ़ गई। आज श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाया गया। कथा में, सतेन्द्र सिंह, पुण्यशील पाण्डेय, टिंकू राय, , नवीन मिश्रा, रमेश सिंह, कैप्टन श्याम नारायण तिवारीश्रवण कुमार दुबे, संजय सिंह , योगेश तिवारी, सरोज तिवारी, रवि वर्मा आदि मौजूद रहे।

ऐतराज़ में प्रियंका चोपड़ा के काम की मैं बहुत बड़ी फैन हूं : गौरी अग्रवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले' आने वाले एपिसोड्स में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ लेने वाला है। कहानी में ये खुलासा होगा कि राघव (भरत अहलावत) को ब्लैकमेल करने के लिए जिन छेड़छाड़ की गई तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया था, उनके पीछे कोई और नहीं बल्कि कीर्ति (गौरी अग्रवाल) ही है। कहानी में कीर्ति की एंट्री एक पूरी तरह पॉजिटिव किरदार के तौर पर हुई थी, लेकिन हालात और जज़्बाती धोखे ने उसके सफर को बिल्कुल अलग दिशा में मोड़ दिया। यह ट्रैक दिखाता है कि कैसे परिस्थितियां और टूटा भरोसा किसी इंसान को बुराई की ओर धकेल सकते हैं। टीवी पर किसी किरदार का इतनी तेसे पॉजिटिव से जुनून की तरफ जाना कम ही देखने को मिलता है, और यही बात कीर्ति के ट्रैक को और ज्यादा दिलचस्प बनाती है।

कीर्ति का किरदार निभा रहीं गौरी अग्रवाल इस जबर्दस्त बदलाव को पर्दे पर उतारने को लेकर खासा उत्साहित हैं। अपने किरदार पर बात करते हुए गौरी कहती हैं, 'मैं ये नहीं कह सकती कि मैं कीर्ति से जुड़ाव महसूस करती हूं, लेकिन मैं यह जरूर समझ सकती हूं कि वो किन हालात से गुजर रही है। कीर्ति से शादी का वादा किया गया था, उसे कई सपने दिखाए गए थे, और उसकी ज़िंदगी के सबसे अहम दिन, यानी शादी के दिन, उसे अकेला छोड़ दिया गया।

माघ मेला में मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का भूमि पूजन आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क मार्ग पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का भूमि पूजन मंगलवार 30 दिसंबर 2025 को अपराह्न 3:30 बजे कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। यह जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि शिविर के माध्यम से मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

136 भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र

भिवंडी पश्चिम में भाजपा सत्ता की हैट्रिक, फिर भी विकास की रफ्तार सवालों के घेरे में..

पांच महापौर लेकिन शवदाह गृह, नाट्यगृह, स्टेडियम, बूचड़खाना और जलभराव जैसी समस्याएं आज भी जस की तस।

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

136 भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र राज्य के प्रमुख पावरलूम और कपड़ा उद्योग का केंद्र माना जाता है। लाखों लोगों की रोजी-रोटी इस उद्योग पर निर्भर है। यही कारण है कि यहां के मतदाता हर चुनाव में रोजगार, उद्योग, बुनियादी ढांचे, जलनिकासी और नागरिक सुविधाओं को अहम मुद्दा मानते रहे हैं। इसके बावजूद दशकों से चली आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान आज तक नहीं हो सका है।

विधानसभा चुनावों का राजनीतिक परिदृश्य::

भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के विधायक महेश प्रभाकर चौघुले ने वर्ष 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज कर सत्ता की हैट्रिक बनाई है। इससे पहले वर्ष 2009 में समाजवादी पार्टी ने यहां से जीत हासिल की थी।वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी महेश प्रभाकर चौघुले ने सपा उम्मीदवार रियाज आज़मी को 31 हजार 293 मतों से पराजित किया। इस चुनाव में महेश चौघुले को 70 हजार 172 वोट मिले, जबकि रियाज आज़मी को 38 हजार 879 मत प्राप्त हुए। लगातार तीसरी बार जीत के बाद भी क्षेत्र की समस्याएं मतदाताओं के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

शहरी और ग्रामीण इलाकों का मिश्रण:::

इस विधानसभा क्षेत्र में भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका के 12 प्रभाग शामिल हैं। इसके साथ ही कारिवली, शेलार, खोणी और कटाई जैसे ग्रामीण क्षेत्र भी इसी विधानसभा का हिस्सा हैं। एक ओर घनी आबादी वाले शहरी इलाके हैं तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र, जहां बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ दिखाई देती है। यही मिश्रित स्वरूप प्रशासनिक चुनौतियों को और जटिल बनाता है।

महापौर बदले, सुविधाएं नहीं बनी ::::

पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के अब तक कांग्रेस और कोर्णाक विकास आघाड़ी के कुल पांच महापौर रह चुके हैं। वर्ष 2001 के बाद बनी भिवंडी महानगर पालिका में कांग्रेस से सुरेश टावरे एक बार और जावेद दलवी दो बार महापौर रहे, जबकि कोर्णाक विकास आघाड़ी से विलास आर. पाटिल एक बार, प्रतिभा विलास पाटिल दो बार और यशश्री राजन कडू एक बार महापौर रहीं। इतने वर्षों में सत्ता परिवर्तन के बावजूद बिजली शवदाह गृह, नाट्यगृह, बूचड़खाना और स्टेडियम जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी बंद या बदहाल स्थिति में हैं।

बिजली शवदाह गृह बना शोपीस?::::

शिवाजी चौक स्थित हिंदू श्मशान भूमि में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया बिजली शवदाह गृह उद्घाटन के बाद से ही बंद पड़ा है। कामवारी नदी के उफान के कारण हर वर्ष यह श्मशान भूमि जलमग्न हो जाती है। बार-बार पानी भरने से यह अत्याधुनिक शवदाह गृह पूरी तरह से खराब हो चुका है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यह परियोजना कभी आम लोगों के काम नहीं आ सकी।

बूचड़खाना वर्षों से बंद ::::::

दरगाह क्षेत्र में स्थित बूचड़खाना भी कई वर्षों से बंद पड़ा है। कामवारी नदी का पानी भरने से इसकी इमारत और मशीनरी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। स्थानीय कुरैशी समाज द्वारा बार-बार बूचड़खाना शुरू करने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

स्टेडियम खेल से दूर, कारोबार का केंद्र :::

गौरीपाड़ा क्षेत्र में स्थित स्वर्गीय परशुराम टावरे स्टेडियम वर्ष 1995 में धोबी तालाब को पाटकर बनाया गया था। इस स्टेडियम से क्षेत्र के युवाओं को खेल की सुविधाएं मिलने की उम्मीद थी, लेकिन वर्तमान में यहां खेल गतिविधियां लगभग बंद हैं। वर्ष 2018 से नगर निगम प्रशासन द्वारा स्टेडियम को मीना बाजार, राजनीतिक सभाओं और विवाह समारोहों के लिए किराये पर दिया जा रहा है। स्टेडियम का स्विमिंग पूल भाड़े देकर चलाया जा रहा है, इंडोर स्टेडियम पूरी तरह अनुपयोगी हो चुका है और परिसर की खाली जमीन पर मलबा जमा किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि स्टेडियम नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है।

आठ साल से बंद नाट्यगृह....

शहर का एकमात्र सांस्कृतिक केंद्र स्वर्गीय मीना ताई ठाकरे नाट्यगृह पिछले आठ वर्षों से मरम्मत के नाम पर बंद है। वर्ष 1996 में तीनबत्ती बाजार क्षेत्र में बने इस नाट्यगृह में कभी सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की भरमार रहती थी। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद मरम्मत कार्य पूरा नहीं हो सका है, जिससे शहर की सांस्कृतिक गतिविधियां ठप हो गई हैं।

हर साल बाढ़ और जलभराव.....

कामवारी नदी भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। हर वर्ष मानसून में नदी का पानी निचले इलाकों में घुस जाता है। म्हाडा कॉलोनी, अजय नगर, आदर्श पार्क, तीनबत्ती, शिवाजी चौक, इदगाह, आज़मी नगर और काकूबाई चाल जैसे इलाकों में पांच फीट से अधिक पानी भर जाता है। संकरी गटर और नालियां जलनिकासी में असफल साबित हो रही हैं और कई इलाकों को बाढ़ प्रभावित घोषित करना पड़ता है।

अतिक्रमण और बाजार व्यवस्था.......

तीनबत्ती बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बना हुआ है। जर्जर हालत के कारण मछली बाजार की इमारत को प्रशासन ने बंद कर दिया है। इसके चलते मछली विक्रेता सड़क किनारे व्यापार करने को मजबूर हैं, जिससे यातायात और स्वच्छता दोनों पर असर पड़ रहा है। पार्किंग जोन, हार्कस जोन का आभाव है। मंडई क्षेत्र में स्थित भाजपा दवाखाने को अस्पताल का दर्जा दिया गया है, लेकिन वहां फिलहाल इदगाह स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष है।

2017 के चुनाव नतीजे इस प्रकार है ...

प्रभाग -01 - कोर्णाक विकास आघाडी
प्रभाग -02 - कांग्रेस
प्रभाग -05- कांग्रेस
प्रभाग - 06- कांग्रेस
प्रभाग- 07 - कांग्रेस
प्रभाग -08- कांग्रेस
प्रभाग-18- भाजपा
प्रभाग-19- कांग्रेस
प्रभाग-20- भाजपा (3) कांग्रेस (1)
प्रभाग-21- शिवसेना
प्रभाग -22- शिवसेना (1) भाजपा (3)
प्रभाग -23- भाजपा

मनपा राजनीति और बगावत का असर.......

वर्ष 2017 में 90 वार्डों वाली भिवंडी महानगर पालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 47 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और जावेद दलवी महापौर बने थे। लेकिन ढाई साल बाद हुए महापौर चुनाव में कांग्रेस के 18 नगरसेवकों की बगावत के कारण केवल चार नगरसेवकों वाली कोर्णाक विकास आघाड़ी सत्ता में आ गई। इस राजनीतिक घटनाक्रम में भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के पांच नगरसेवकों की अहम भूमिका रही।

प्रभाग क्रमांक -05 (अ,ब) से मलिक नाजीर मोमिन और जरीना नफीज अंसारी

प्रभाग क्रमांक -7 (अ) से श्रीमति सजीदा मोमिन

प्रभाग क्रमांक -8 (ब,क) श्रीमति शकीरा अहमद शेख और श्रीमति समीना सोहेल शेख

जातीय और वोट बैंक की स्थिति....

भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र मुस्लिम,कोकणी बाहुल्य माना जाता है। इसके साथ ही तेलुगु, मराठा, आगरी, कोली, गुजराती और उत्तर भारतीय समाज की भी यहां बड़ी आबादी है। मुस्लिम मतदाता इस क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाते हैं, जिससे हर चुनाव में राजनीतिक दलोंशेख ,रणनीति इसी वर्ग के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है।

वार्ड 7 से कांग्रेस उम्मीदवार रेश्मा वासिम अंसारी ने दाखिल किया नामांकन

शक्ति प्रदर्शन के साथ चुनावी अभियान की शुरुआत

रेश्मा अंसारी प्रभाग -7

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के प्रभाग 7 से कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार रेश्मा वासिम अंसारी ने आज अपने पैनल के साथ जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन पत्र स्वं परशुराम टावरे स्टेडियम स्थित चुनाव निर्णय अधिकारी के यहां दाखिल किया । इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के शहर जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रशीद ताहिर मोमिन भी मौजूद रहे। मोमिन ने कहा कि नामांकन दाखिल करने से पहले सबसे पहले हजरत दीवान शाह के मजार पर चादर चढ़ाकर जीत का आशीर्वाद लिया गया। इसके बाद ही कांग्रेस की ओर से फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रभाग क्रमांक 7 के पैनल उम्मीदवारों में मोहम्मद फैसल खान, ताहा रियाज मोमिन और शहादत हुसैन ने भी अपने नामांकन पत्र जमा किए। रेश्मा अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं का समाधान करना है। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि पार्टी इस चुनाव में पूरी तैयारी के साथ उतरी है और प्रभाग 7 में जीत के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।नामांकन प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी मौजूदगी देखी गई, प्रभाग 7 में इस बार का चुनाव काफी प्रतिस्पर्धात्मक माना जा रहा है, और कांग्रेस अपने पैनल के साथ क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाने की कोशिश में है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी, दो आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता निखिल तुकाराम खरात (25), निवासी ब्रह्मानंदनगर, कामतघर रोड, किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान 28 दिसंबर की रात करीब 10 बजे एक कार सवार दो युवकों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए खुद को प्रभावशाली बताते हुए जबरन बातचीत शुरू की, जो जल्द ही विवाद में बदल गई।आरोप है कि एक आरोपी ने शिकायतकर्ता का कॉलर पकड़कर मुक्कों से हमला किया, जबकि दूसरे आरोपी ने लोहे की रॉड निकालकर जान से मारने की नीयत से उनके सिर पर वार करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता के पीछे हटने से गंभीर चोट टल गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार होते समय उन्हें जान से मारने की धमकी देकर चले गए।घटना की शिकायत मिलते ही नारपोली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभिषेक उर्फ अभ्या संभाजी देशमुख और शिवम गुड्डू शर्मा को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे के कारणों और आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

घर में सेंधमारी कर डेढ़ लाख से अधिक की चोरी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत एक रिहायशी मकान में सेंधमारी कर नकदी, सोना-चांदी के आभूषण और मोबाइल फोन चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए घर में घुसकर करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक के माल पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता राजूचारी विश्वनाथ मासमपल्ली (40), निवासी कामतघर, अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। 23 दिसंबर की रात लगभग 12.15 बजे से लेकर सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने मुख्य दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया। इसके बाद अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण,नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिए गए। सुबह जागने पर घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने पुलिस से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन अस्वस्थ होने के कारण उसी दिन शिकायत दर्ज नहीं करा सके। बाद में 27 दिसंबर को भिवंडी शहर पुलिस थाने में उन्होंने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।चोरी गए माल की कुल कीमत लगभग 1 लाख 53 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

चुनाव से पहले भिवंडी में अवैध असलहा बरामद, दो गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। आगामी चुनावों के मद्देनज़र पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत भिवंडी के नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध हथियार रखने के मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से एक देसी बनावटी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जब्त हथियारों की कुल कीमत करीब 59 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नारपोली पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कामतघर इलाके में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर 27 दिसंबर की रात करीब 9.25 बजे पुलिस ने गणेश मंदिर के पीछे, मिठास स्वीट्स के सामने स्थित मैदान में दबिश दी।इस दौरान पुलिस ने मौके से दत्तु वीरेश कोली (38), निवासी आशिर्वाद नगर, कामतघर और साईनाथ नरसिमलु योनागुंडला (33), निवासी विनायक नगर, कामतघर को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक देसी बनावटी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि आरोपियों के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी निषेधाज्ञा (मनाई आदेश) का भी उल्लंघन किया था। इस संबंध में नारपोली पुलिस ने भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) सह 135 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद हथियार किस उद्देश्य से रखे गए थे और क्या इसके पीछे किसी आपराधिक गिरोह का हाथ है।चुनाव से पहले क्षेत्र में अवैध हथियारों की बरामदगी से पुलिस महकमे में सतर्कता बढ़ा दी गई है और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहने की बात कही गई है।

भिवंडी में बिजली चोरी का मामला, 5.21 लाख रुपये की चोरी उजागर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के शांति नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में बिजली चोरी का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि आरोपी ने अवैध तरीके से बिजली का उपयोग कर विद्युत वितरण कंपनी टोरेंट पावर को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अदित्य किरणराव सोलवे, जो टोरेंट पावर कंपनी में कार्यरत हैं, ने शांति नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी फहीम खलीलुल्लाह अंसारी, निवासी क्रिस्टल अपार्टमेंट, शास्त्री नगर, भिवंडी, ने अपने आर्थिक लाभ के लिए बिजली चोरी की।जांच में सामने आया कि आरोपी ने अधिकृत मीटर के अलावा अवैध रूप से दो कोर काले रंग के तार जोड़कर सीधे बिजली आपूर्ति से कनेक्शन लिया था। यह अवैध कनेक्शन मीटर क्रमांक "3-श-55-151 से जुड़ा पाया गया। इस तरीके से आरोपी ने कुल 15,769 यूनिट बिजली का अवैध उपयोग किया, जिससे विद्युत वितरण कंपनी को करीब 5,21,104.26 रुपये का नुकसान हुआ।

यह घटना 2 दिसंबर 2024 से 1 दिसंबर 2025 के बीच की बताई जा रही है। 1 दिसंबर को दोपहर 3 बजकर 45 मिनट पर निरीक्षण के दौरान यह चोरी पकड़ी गई, जिसके बाद उसी दिन रात 9 बजकर 28 मिनट पर शिकायत दर्ज कराई गई।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस प्रकरण में किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है। जांच अधिकारी सपोनि अरुण धोलप मामले की आगे की छानबीन कर रहे हैं।

महिला अपराध पर भाजपा का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह शून्य : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है और महिला अपराध पर उसका 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह शून्य साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं और प्रदेश के हर हिस्से पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में बहन-बेटियों और माताओं के साथ अत्याचार की घटनाएं रोज सामने आ रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस बेलगाम है और भ्रष्टाचार चरम पर है। अपराधी और अराजक तत्व खुलेआम वारदातें कर रहे हैं, जबकि पुलिस-प्रशासन भाजपा नेताओं के दबाव में काम कर रहा है। इसका नतीजा यह है कि पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का गृह जनपद गोरखपुर हो या प्रदेश के अन्य जिले कहीं भी अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। उन्होंने रामपुर में कार में छात्रा से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास तथा बस्ती में छेड़खानी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये तो महज उदाहरण हैं। पूरे प्रदेश में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस इन पर नियंत्रण करने में विफल है। महिला अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश नंबर वन बन चुका है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 सेवा शुरू की गई थी, जहां एक फोन कॉल पर पुलिस तत्काल मदद पहुंचाती थी। भाजपा सरकार ने इस सेवा को भी बदहाल कर दिया, जिससे महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा कमजोर हुई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में हर तरह का अपराध और अवैध कारोबार बढ़ता जा रहा है। नशे का कारोबार ऊपर से नीचे तक फल-फूल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का जुमला कहीं नशे में पड़ा होगा, तभी अपराधी और माफिया बेखौफ होकर अपना नशीला और जहरीला कारोबार चला रहे हैं।

पंचायत चुनाव 2026 से पहले यूपी में खूनी संघर्ष!

चुनावी रंजिश में 2 भाइयों को गोली मारी, एक की मौत दूसरा घायल; पिता बोले- वोट नहीं दिया तो मार डाला

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मथुरा जिले में जैत थानाक्षेत्र के एक गांव में प्रधान पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर पिछले चुनाव में प्रतिपक्षी का साथ देने पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान नगला नेता गांव के राधा किशन (20) के रूप में हुई जबकि उसका भाई अनिल घायल हो गया। पुलिस ने रविवार रात हुई इस घटना में प्रधान समेत चार लोगों को नामजद करते हुए कुछ अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। उसने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी-सिटी) राजीव कुमार सिंह के मुताबिक नगला नेता गांव में प्रधान योगेश सिंह एवं उदयवीर सिंह आमने-सामने रहते हैं। उदयवीर सिंह ने पिछले चुनाव में प्रधान के प्रतिपक्षी उम्मीदवार का समर्थन किया था, तभी से उन दोनों के परिवारों के बीच तनातनी चली आ रही है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम प्रधान पक्ष के लोगों ने उदयवीर के बेटे राधाकिशन को राल चौराहे पर घेरकर पीटा था। वह किसी तरह जान बचाकर भाग आया था। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने रविवार को थाने में प्रधान पक्ष के विरुद्ध तहरीर दी थी। इसके बाद दोनों पक्षों में तनाव और ज्यादा बढ़ गया। राधाकिशन के पिता उदयवीर ने आरोप लगाया है कि पुलिस में शिकायत करने के बाद रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे प्रधान पक्ष के लोगों ने उनके घर पर हमला बोल दिया।

उन्होंने मारपीट करने के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग भी की, जिसमें एक गोली राधाकिशन के सिर में लगी, जबकि उसके भाई अनिल के हाथ में गोली लगी। दोनों भाइयों के लहूलुहान होकर जमीन पर गिरने के बाद हमलावर भाग निकले। इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी एसपी सिटी के नेतृत्व में मौके पर पहुंच गई और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राधाकिशन ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने प्रधान पक्ष के चार लोगों को हिरासत में लिया। उदयवीर सिंह ने ग्राम प्रधान योगेश, उसके भाई नरेश एवं भतीजों-- अमित, दिनेश तथा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि चुनावी रंजिश में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हुई है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे घटना के संबंध में पूछताछ जारी है। गांव में ऐहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उधर, वादी पक्ष का कहना है कि अगर पुलिस ने राधाकिशन को पीटे जाने के बाद दी गई शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की होती तो संभवतः उसकी जान नहीं जाती। उनका आरोप है कि पुलिस ने इससे पूर्व भी रक्षाबंधन के दिन की गई मारपीट की शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया था।

इन दोनों में से किसी को मिल सकती है राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी : उथप्पा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आने वाले सीजन में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की सफलता के लिए लीडरशिप एक अहम फैक्टर होगा। आईपीएल 2026 के मिनी-ऑक्शन के बाद फ्रेंचाइजी ने रविंद्र जडेजा, सैम करन और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई जैसे अहम ट्रेड और खिलाड़ियों को शामिल करके एक मजबूत टीम बनाई है। हालांकि कप्तानी अभी भी एक अनसुलझा सवाल है, क्योंकि टीम ने अपने संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स को ट्रेड कर दिया है।

जियोस्टार से बात करते हुए पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के बॉलिंग अटैक की तारीफ की और अलग-अलग ऑप्शन के लिए लगभग 10 तेज गेंदबाजों के होने के फायदे बताए। उथप्पा ने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के पास यह फायदा है कि उनके पास 10 तेज गेंदबाज हैं, जो बहुत सारे ऑप्शन देते हैं। अगर वे जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में सही जगह पर गेंदबाजी करते हैं, तो वे बहुत सफल हो सकते हैं। बिश्नोई और जडेजा जैसे स्पिनरों के साथ शिमरोन हेटमायर और डोनोवन फरेरा का साथ और ध्रुव जुरेल और रियान पराग के साथ बैटिंग ऑर्डर में गहराई, अब उनके पास एक अच्छी ऑलराउंड टीम है।'

टीम की कप्तानी पर उन्होंने आगे कहा, 'एक ही सवाल लीडरशिप का है। मुझे लगता है कि कप्तानी शायद रियान पराग और रविंद्र जडेजा के बीच होगी जबकि जायसवाल को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।'

दिग्गज स्पिनर कुंबले ने भी टीम के बैलेंस की बात दोहराई जिसमें टैलेंटेड युवा, साबित हो चुके खिलाड़ी और वर्सेटाइल ऑलराउंडर शामिल हैं। उन्होंने जोफ्रा आर्चर जैसे अहम तेज गेंदबाजों की फिटनेस की चिंताओं पर जोर दिया, लेकिन अपनी सबसे मजबूत बात लीडरशिप पर कही।

कुंबले ने कहा, 'जब आप इस लाइनअप को देखते हैं, तो कप्तानी सबसे अहम फैक्टर होगी। अगर आप संजू सैमसन जैसी पर्सनैलिटी को राजस्थान रॉयल्स में दोहराना चाहते हैं, तो ध्रुव जुरेल शायद सबसे करीबी हैं। इसके अलावा टीम मजबूत है, जिसमें टैलेंटेड युवा, साबित हो चुके खिलाड़ी और ऑलराउंडर हैं। आईपीएल की शुरुआत में जोफ्रा आर्चर जैसे अहम खिलाड़ियों की फिटनेस भी बहुत जरूरी है।

गौतम गंभीर को टेस्ट कोच पद से हटाया जाएगा? राजीव शुक्ला ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि बोर्ड टेस्ट फॉर्मेट में गौतम गंभीर की जगह किसी नए हेड कोच को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण से गंभीर की जगह भारत का अगला टेस्ट कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था।

ये मीडिया रिपोर्ट्स तब आईं जब भारत को गौतम गंभीर की कप्तानी में घर पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा, यह लगातार दूसरे साल दूसरी हार थी पिछले साल इसी कोच के तहत न्यूजीलैंड से 0-3 से शर्मनाक हार मिली थी। न्यूजीलैंड से मिली हार के कारण एक समय अच्छी स्थिति में रही भारतीय टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने से चूक गई और प्रोटियाज के खिलाफ इस हार से उन्हें प्रतिष्ठित एक-ऑफ टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले में जगह गंवाने का भी खतरा हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे के नतीजे कैसे रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने साफ किया है कि गंभीर को भारतीय टेस्ट टीम के हेड कोच के पद से नहीं हटाया जाएगा। शुक्ला ने कहा, 'मैं हेड कोच गौतम गंभीर के बारे में मीडिया में चल रही अटकलों के बारे में बहुत साफ करना चाहता हूं। बीसीसीआई सचिव (देवजीत सैकिया) ने भी यह बहुत साफ कर दिया है कि गंभीर को हटाने या भारत के लिए कोई नया हेड कोच लाने का कोई प्लान नहीं है।'

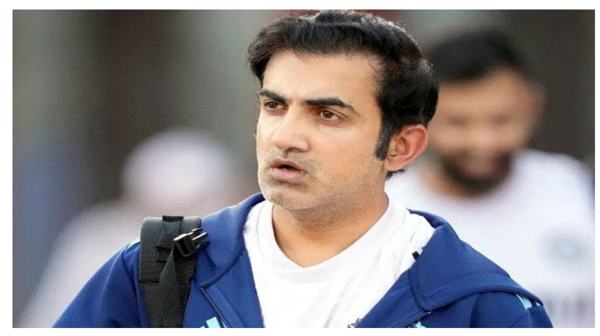

इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड ने खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में लीडरशिप ग्रुप में बदलाव के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। सैकिया ने कहा, 'यह पूरी तरह से गलत खबर चल रही है। यह पूरी तरह से अटकलों वाली खबर है। कुछ बहुत प्रतिष्ठित समाचार एजेंसियां भी इस खबर को दिखा रही हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई सीधे तौर पर इसका खंडन करता है। लोग जो चाहें सोच सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई ने कोई कदम नहीं उठाया है। यह किसी की कल्पना की उपज है; इसमें कोई सच्चाई नहीं है, और मैं इसके अलावा कुछ नहीं कह सकता कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार खबर है।'

घरेलू विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 18, 000 करोड़ रुपए तक का घाटा होने का अनुमान : इक्रा

मुंबई **(एजेंसी)**। घरेलू विमानन उद्योग को यात्रियों की संख्या में संभावित कमी और अन्य कारकों के कारण चालू वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 17, 000-18, 000 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। इससे पहले, अनुमान लगाया गया था कि उद्योग को 2025-26 के दौरान 9, 500-10, 500 करोड़ रुपए का घाटा होगा। इक्रा ने इस वर्ष जून में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना और इस महीने की शुरुआत में इंडिगो द्वारा हजारों उड़ानों के रद्द होने सहित कई कारकों के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू हवाई यात्री यातायात वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को घटाकर शून्य से तीन प्रतिशत कर दिया है। जबकि पहले उसने चार से छह प्रतिशत का अनुमान लगाया था। इक्रा ने कहा कि यह संशोधन वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में उम्मीद से धीमी यातायात वृद्धि के कारण है जो सीमा पार तनाव बढ़ने से प्रभावित हुई थी। इससे कारण वर्ष के दौरान उड़ानें बाधित और रद्द हुईं।

साथ ही जून में हुई (एयर इंडिया) विमान दुर्घटना त्रासदी ने यात्री कुछ समय के लिए ही सही लेकिन यात्रा करने में संकोच करते नजर आए। इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से हालांकि उद्योग के कुल वार्षिक प्रस्थान का केवल 0.4 प्रतिशत ही प्रभावित हुआ लेकिन इक्रा ने कहा कि इंडिगो के परिचालन व्यवधान से यात्रा संबंधी धारणाओं में नरमी आने का अनुमान है। इक्रा ने कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय विमानन कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात वृद्धि पूर्वानुमान को भी अपने पहले के 13-15 प्रतिशत के अनुमान से संशोधित करके 7-9 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2025 के दौरान घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या करीब 10.96 करोड़ रही जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.2 प्रतिशत अधिक है।

आयात निर्भरता घटाने की तैयारी में भारत चीन पर बढ़ती निर्भरता बनी चिंता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत सरकार आयात पर निर्भरता कम करने के लिए बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। खासतौर पर चीन जैसे एकल स्रोत पर बढ़ती निर्भरता को लेकर सरकार गंभीर नजर आ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट में कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन देने की योजना बनाई जा रही है।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनका देश में उत्पादन होने के बावजूद आयात लगातार ऊंचा बना हुआ है। सरकार का मकसद मर्चेंडाइज ट्रेड गैप को कम करना और सप्लाई चेन को जोखिम से बाहर निकालना है। यह प्रस्ताव आगामी बजट में पेश किया जा सकता है। अप्रैल से नवंबर 2025 के दौरान भारत का कुल आयात 515.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा चीन से आने वाले सामानों का रहा, जो 84.2 अरब डॉलर रहा। इसके बाद रूस से 40.8 अरब डॉलर, अमेरिका से 35.4 अरब डॉलर और सऊदी अरब से 20.4 अरब डॉलर का आयात हुआ।

आंकड़ों के मुताबिक भारत के प्रमुख आयात में कच्चा पेट्रोलियम सबसे ऊपर रहा, जिसका आयात 121 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 74.4 अरब डॉलर, सोने का 45.2 अरब डॉलर, मशीनरी का 39.8 अरब डॉलर और ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट का आयात 22.4 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

वाहन उद्योग साल 2025 को रिकॉर्ड बिक्री के साथ करेगा विदा, 2.8 करोड़ वाहन बिक्री का अनुमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। साल की शुरुआत में सुस्त मांग के बाद ऑटो सेक्टर ने जबरदस्त वापसी की है। 31 दिसंबर तक कुल वाहन बिक्री 2.8 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी के बाद का अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है।

वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार तक कुल बिक्री 2.79 करोड़ रही, जबकि रोजाना औसतन 77, 000 से अधिक वाहन बिक रहे हैं। इस रफ्तार से साल का आंकड़ा 2.82 करोड़ के करीब पहुंच सकता है। उल्लेखनीय है कि महामारी से पहले 2018 में 2.54 करोड़ वाहनों की बिक्री हुई थी, जिसे 2024 में पहली बार पार किया गया।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस उछाल के पीछे जीएसटी 2.0 सुधार, आयकर स्लैब में बदलाव और नीतिगत ब्याज दरों में चार कटौतियां अहम कारण रहीं। इन फैसलों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी और बाजार में मांग को मजबूती मिली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि सितंबर में जीएसटी सुधार लागू होने तक उद्योग की वृद्धि दर एक अंक में सीमित थी। उन्होंने बताया कि कर सुधार और ब्याज दरों में कटौती के बाद कम लागत पर फंडिंग उपलब्ध हुई, जबकि आयकर राहत से मध्यवर्ग को सीधा फायदा मिला, जिससे खरीदारी बढ़ी।

इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीकुमार कृष्णमूर्ति ने कहा कि त्योहारों के मौसम ने खपत को मजबूती दी, जबकि अच्छे मॉनसून, ग्रामीण सकारात्मकता, जीएसटी सुधार और ब्याज दर कटौती ने इसे सहारा दिया। उन्होंने आगाह किया कि आने वाले साल में वैश्विक मांग में नरमी, सप्लाई चेन बाधाएं और अमेरिकी टैरिफ जैसे जोखिमों पर नजर रखना जरूरी होगा।

औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि नवंबर में दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से नवंबर महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) नवंबर, 2024 में पांच प्रतिशत बढ़ा था। इससे पहले औद्योगिक उत्पादन का उच्च स्तर नवंबर, 2023 में 11.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था। इसके साथ एनएसओ ने अक्टूबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के आंकड़े को भी संशोधित किया है। अक्टूबर के लिए आईआईपी वृद्धि को बढ़ाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि पिछले महीने जारी अस्थायी अनुमान 0.4 प्रतिशत का था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2025 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन आठ प्रतिशत बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि पर था। खनन क्षेत्र का उत्पादन भी नवंबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ा जबकि नवंबर 2024 में यह वृद्धि 1.9 प्रतिशत रही थी। हालांकि, बिजली उत्पादन का प्रदर्शन पिछले महीने कमजोर रहा। नवंबर में बिजली उत्पादन में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। नवंबर महीने के आईआईपी आंकड़ों में सुधार से संकेत मिलता है कि औद्योगिक गतिविधियों में खासकर विनिर्माण और खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रफ्तार की वापसी हो रही है।

महिला हॉकी इंडिया लीग का शानदार आगाज एसजी पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन के पहले मुकाबले में एसजी पाइपर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रांची रॉयल्स को 2-0 से शिकस्त दी। यह मुकाबला रविवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला गया। एसजी पाइपर्स की जीत में कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के गोल निर्णायक साबित हुए।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच काफ़ी तेज़ और संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों ओर से जबरदस्त मूवमेंट देखने को मिला, लेकिन मजबूत डिफेंस के चलते कोई भी टीम पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर सकी। रांची रॉयल्स की ओर से हैना कॉटर बाएं फ्लैंक से लगातार दबाव बना रही थीं, जबकि एसजी पाइपर्स के लिए नवनीत कौर और दीपिका ने सर्कल में सबसे ज्यादा एंट्री ली।

दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन मारिया ऑर्टिज़ का ड्रैग फ्लिक गोलकीपर ने रोक दिया। इसके बाद एसजी पाइपर्स को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर लोला रिएरा के प्रयास नाकाम रहे। आखिरकार 27वें मिनट में कप्तान नवनीत कौर ने जोरदार शॉट के साथ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए लीग के पहले मैच का पहला गोल दागा।

तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे बराबरी का गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में नवनीत कौर और सुनेलिता टोप्पो ने शानदार तालमेल दिखाया, हालांकि गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने अहम बचाव किया।

रांची की ओर से लुसिना वॉन डेर हेडे का पेनल्टी कॉर्नर शॉट भी गोल में तब्दील नहीं हो सका, जिसे एसजी पाइपर्स की डिफेंडर लोला रिएरा ने लाइन पर रोक लिया।

अंतिम क्वार्टर के पहले ही मिनट में टेरेसा वियाना (46') ने बाएं फ्लैंक से शानदार ड्रिबल करते हुए गोलकीपर को छकाया और गेंद को जाल में डालकर एसजी पाइपर्स की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पाइपर्स ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया और मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

इस जीत के साथ एसजी पाइपर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार और आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है, जबकि रांची रॉयल्स को अपने अगले मुकाबलों में वापसी की उम्मीद होगी।

विजय हजारे ट्रॉफी : शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को रौंदा

जयपुर **(एजेंसी)**। कप्तान शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शार्दुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया।

कप्तान अमनदीप खरे (63) और अजय मंडल (46) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी के बावजूद छत्तीसगढ़ की टीम शुरुआती झटकों से कभी नहीं उबरी। टीम 38.1 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई। शार्दुल ने खेल के शुरुआती आधे घंटे में छत्तीसगढ़ के खिलाफ कहर बरपाया तो वहीं वामहस्त स्पिनर शम्स मुलानी ने आखिरी छह में से पांच विकेट झटक कर छत्तीसगढ़ की पारी को सस्ते में समेटने में योगदान दिया।

मुलानी ने 31 रन देकर 5 विकेट लिए जिससे छत्तीसगढ़ ने आखिरी छह विकेट 27 रन के अंदर गंवा दिए। अंगकृष रघुवंशी (66 गेंदों पर 68 नाबाद) और अनुभवी सिद्धेश लाड (42 गेंदों पर 48 नाबाद) ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की अटूट साझेदारी कर महज 24 ओवरों में ही मुंबई को 9 विकेट से एकतरफा जीत दिला दी। मुंबई को एकमात्र झटका ईशान मूलचंदानी के आउट होने से लगा जो 19 रन बनाकर हर्ष यादव की गेंद पर आउट हुए। मुंबई तीन मैचों में इतनी ही जीत से 12 अंक के साथ ग्रुप सी की तालिका में शीर्ष पर है।

'बिग बॉस 19' फेम तान्या मित्तल का बड़ा खुलासा : मैं एक कंडोम फैक्ट्री की मालकिन हूं, ऐसे होती है क्वालिटी चेकिंग

'बिग बॉस 19' शो का समापन हो गया है, लेकिन इसके कंटेस्टेंट अभी चर्चाओं में बनें हुए। इस बीच, सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक तान्या मित्तल हैं। अब उनको विनर की ट्रॉफी नहीं मिली, लेकिन अपने आत्मविश्वास और आलोचनाओं के बावजूद भी बिना कैमरे के सामने मुस्कुराने के अंदाज से उन्होंने सबका दिल जीता है। तान्या मित्तल के दौलत के बारे झूठे दावे किए और उनके इस खुलासे पर हंसे कि उनके चारों ओर कई बॉडीगार्ड रहते हैं, उनके पास महंगी गाड़ियां हैं और वे आलीशान घर में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कंडोम फैक्ट्री की मालकिन होने का चौंकाने वाला खुलासा किया है।

इससे पहले तान्या मित्तल यह कह चुकी थीं कि उनका खुद का एक कपड़ों का ब्रांड है। लेकिन इसके साथ-साथ उनका एक कंडोम निर्माण यूनिट भी है, जो उनकी आय का एक अहम स्रोत माना जाता है। न्यूज पिंच को दिए गए इंटरव्यू में तान्या मित्तल ने अपनी कंडोम फैक्ट्री का भ्रमण कराया, जहां उन्होंने बताया कि कंडोम की पैकेजिंग, गुणवत्ता जांच (टेस्टिंग) और अन्य प्रक्रियाएं किस तरह की जाती हैं।

तान्या मित्तल ने आगे बताया कि उनकी फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं और इससे रोजगार के कई अवसर पैदा हुए हैं। इसके बाद उन्होंने यह भी कहा कि उनकी फैक्ट्री का चुनाव थोड़ा अलग है और कई लोग इस बारे में बात करने से कतराते हैं। तान्या ने अपने फैंस को प्रोडक्शन एरिया को भी दिखाया और फैक्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक भी दिखाई। तान्या ने कंडोम उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली मशीनरी दिखाई और बताया कि इन्हें दुनिया के कई हिस्सों से इक्ट्ठा किया जाता है फिर आयात किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने लैब का भी दौरा कराया, जहां प्रोडक्ट्स की जांच की जाती है, बताया कि जांच कैसे होती है।

तान्या ने बताया कि सलमान ने लोगों से उनके लिए डटकर लड़ाई लड़ी और पूरा साथ दिया, जबकि उन्हें उनकी सच्चाई का पता भी नहीं था। उन्होंने बिना किसी संदेह के उन पर विश्वास किया। इसी कारण एक 'फर्जी' लड़की का समर्थन करने को लेकर उन्हें निशाना बनाया गया और ट्रोल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगातार अपमान सहना पड़ा। घर के भीतर छह दिनों तक उनके साथ प्रताड़ना होती रही और वीकेंड पर आने वाला हर एक व्यक्ति उन्हें और ज्यादा परेशान करता था। वह बार-बार उन्हें तंग करता और मानसिक रूप से परेशान करता रहता था।

बिग बॉस के बाद तान्या मित्तल का ग्वालियर में भव्य स्वागत किया गया है। सोशल मीडिया पर परिवार के साथ उनके मिलने के भावुक वीडियों काफी छाए हुए है। हालिए में तान्या के घर का एक वीडियो मिला, जिसके बाहर कई कारें खड़ी थीं। वीडियो में उनके एंट्री गेट की झलक भी दिखाई दी, जो कि गेंदे के फूलों से सजा हुआ था, एक बड़ा लॉन था

'तू मेरी मैं तेरा' की धीमी शुरुआत! मल्टी-स्टारर क्लैश में कार्तिक-अनन्या की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिछड़ी

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक कॉमेडी, तू मेरी मैं तेरा को रविवार को बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। समीर विद्वान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का मकसद फेस्टिव छुट्टियों वाले वीकेंड का फायदा उठाना था, लेकिन एक साथ कई फिल्मों के रिलीज़ होने के कारण इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे शुरुआती दिनों में इसकी ग्रोथ सीमित रही। फिल्म के लीड एक्टर्स की स्टार पावर और रिलीज़ के समय को देखते हुए इसके परफॉर्मेंस पर करीब से नज़र रखी जा रही थी, क्योंकि यह ऐसा समय था जब आमतौर पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई होती है।

अपने पहले रविवार (चौथे दिन) को, फिल्म ने तीन बड़ी रिलीज़ में सबसे कम कमाई दर्ज की, जो धुरंधर और अवतारः फायर एंड ऐश से पीछे रही। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, तू मेरी मैं तेरा ने रविवार को 5.37 करोड़ रुपये कमाए, जो शनिवार के 5.5 करोड़ रुपये से 2.36 प्रतिशत की मामूली गिरावट दिखाता है। खास बात यह है कि रविवार की कमाई शुक्रवार के 5.25 करोड़ रुपये से ज़्यादा रही। यह स्थिरता दर्शकों की स्थिर दिलचस्पी को दिखाती है, भले ही बाहरी कारणों से कुल ग्रोथ धीमी रही हो।

सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर ने अनुमानित 22 करोड़ रुपये के साथ चार्ट में टॉप किया, जबकि अवतारः फायर एंड ऐश ने लगभग 10.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। तू मेरी मैं तेरा में कार्तिक आर्यन रेहान 'रे' मेहरा और अनन्या पांडे रूमी वर्धन सिंह के रोल में हैं। फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हो जाता है, लेकिन परिवार के दबाव के कारण उन्हें अलग होना पड़ता है। वे भारी मन से अलग हो जाते हैं, इस उम्मीद के साथ कि किस्मत उन्हें किसी दिन फिर से मिलाएगी।

तू मेरी मैं तेरा से पहले, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे ने 2019 की फिल्म पति पत्नी और वो में साथ काम किया था। फिल्मफेयर के साथ एक बातचीत में, कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने पिछले प्रोजेक्ट के बाद से अनन्या में कोई बदलाव देखा है। इस पर जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, 'मैं तब भी कहता था कि वह बहुत अच्छी थी, जब हम पति पत्नी और वो कर रहे थे, हमने उस फिल्म को करने में बहुत मज़ा किया था।'

गोवा नाइटक्लब आग मामले में लूथरा भाईयों को कोर्ट ने 9 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में लगी आग के मामले में पुलिस ने इसके संचालक लूथरा बंधुओं को गिरफ्तार किया था। अब दोनों भाइयों सौरभ और गौरव लूथरा को कोर्ट ने 9 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनका पुलिस हिरासत आज खत्म हो गई थी। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष की दलीले सुनने के बाद उन्हें 9 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने की मंजूरी दे दी है।

उनके वकील, पराग राव ने बताया कि न्यायिक हिरासत में भेजेने का मतलब है कि पुलिस पूछताछ खत्म हो गई है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि पुलिस हिरासत आज खत्म हो गई थी, लेकिन मजिस्ट्रेट ने अभियोजन पक्ष की 9 जनवरी तक उन्हें न्यायिक हिरासत में रखने की अपील को मंज़ूरी दे दी। राव ने आगे बताया कि दोनों भाईयों ने अभी जमानत नहीं मांगी है। दोनो भाई को दवाओं की इजाजत दी गई है। दोनों भाई पुलिस हिरासत में रहते हुए दवा ले रहे थे। पुलिस कोर्ट में मेडिकल डॉक्यूमेंट जमा करेगी। इसी के आधार पर न्यायिक हिरासत में उन्हें दवा की आपुर्ति की जाएगी।

गोवा अग्निकांड पर एक नजर

बीते छह दिसंबर की रात, अरपोरा स्थित बिर्च बाय रोमियो नाइटक्लब में अचानक आग लग गई थी। इस दर्दनाक हादसे में 25 पर्यटक और कर्मचारियों की मौत हुई। इस वारदात के बाद क्लब के मालिक गौरव और सौरभ लूथरा हैं। घटना के बाद राज्य सरकार और प्रशासन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आग कैसे लगी और क्या सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया था। इस दर्दनाक हादसे ने न केवल गोवा बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।

अग्निकांड मामले में आठ लोगों की गिरफ्तारी

बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में लगी आग के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इसमें नाइटक्लब के संचालक गौरव और सौरभ लूथरा भी शामिल हैं, जो थाईलैंड भाग जाने के बाद 17 दिसंबर को वापस लाए गए थे।

जालसाज इंदरजीत यादव के दस ठिकानों पर ईडी की रेड, अवैध तरीके से कमाए करोड़ों रुपये

नई दिल्ली। हत्या, जबरन वसूली, जालसाजी, निजी वित्तदाताओं के जबरन ऋण निपटान, हथियारों की धमकी और ऐसी अवैध गतिविधियों से कमीशन अर्जित करने के आरोपी इंद्रजीत सिंह यादव के दस ठिकानों पर ईडी ने रेड की है। फिलहाल यादव, यूएई से फरार बताया जा रहा है। तलाशी और जब्ती अभियान के परिणामस्वरूप 5 लग्जरी कारें, बैंक लॉकर, 17 लाख रुपये नकद, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और इंद्रजीत सिंह व उसके साथियों से संबंधित डिजिटल डेटा जब्त किया गया है। यह छापेमारी दिल्ली, गुरुग्राम और रोहतक में की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 26.12.2025 और 27.12.2025 को यह छापेमारी की है। यह रेड, इंद्रजीत सिंह यादव, उनके सहयोगियों, अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अन्य संबंधित संस्थाओं/व्यक्तियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत चल रहे धन शोधन मामले से संबंधित है। जांच एजेंसी ने यह रेड, इंद्रजीत सिंह यादव द्वारा अवैध वसूली, निजी वित्तदाताओं के जबरन ऋण निपटान, हथियारों की धमकी और ऐसी अवैध गतिविधियों से कमीशन अर्जित करने के संबंध में धन शोधन, केस की जांच के चलते की है।

कई मामलों में वांछित है आरोपी

हरियाणा पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा शस्त्र अधिनियम, 1959, बीएनएस, 2023 और आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई 15 से अधिक एफआईआर/चार्जशीट के आधार पर ईडी ने इंद्रजीत सिंह यादव और उसके साथियों के खिलाफ जांच शुरू की है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि इंद्रजीत सिंह यादव, जो मेसर्स जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ('जेम्स ट्यून्स' के नाम से संचालित) का मालिक और प्रमुख नियंत्रक है, हत्या, जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं द्वारा दिए गए ऋणों का जबरन निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल एक कुख्यात दबंग है। इंदरजीत सिंह यादव हरियाणा पुलिस के विभिन्न मामलों में वांछित है और वर्तमान में यूएई से फरार है।

ईडी की जांच में पता चला है कि अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अन्य जैसी कुछ कंपनियों ने कथित तौर पर डीघल 'झज्जर' स्थित निजी फाइनेंसरों से भारी मात्रा में नकद ऋण लिया। सुरक्षा के तौर पर पोस्ट-डेटेड चेक जारी किए गए। इंद्रजीत सिंह यादव एक दबंग और गुंडे के रूप में काम करता था, जो करोड़ों रुपये के इन उच्च-मूल्य वाले निजी ऋण लेनदेन और वित्तीय विवादों के जबरन निपटारे में मदद करता था। आरोप है कि ये निपटारे धमकियों, डरा-धमकाकर और सशस्त्र सहयोगियों/स्थानीय सशस्त्र गिरोहों के इस्तेमाल से किए गए, जिनमें विदेशों से संचालित संगठित अपराध गिरोहों की मिलीभगत थी।

इस निपटारे की प्रक्रिया में, उसने कथित तौर पर इन कंपनियों से करोड़ों रुपये कमीशन के रूप में कमाए। इंद्रजीत सिंह यादव द्वारा इन धोखाधड़ीपूर्ण तरीकों से अर्जित करोड़ों रुपये की आय का इस्तेमाल कथित तौर पर अचल संपत्तियों, लग्जरी कारों के अधिग्रहण और विलासितापूर्ण जीवन शैली बनाए रखने के लिए किया गया, जबकि उसने न्यूनतम आयकर रिटर्न दाखिल किया।

बंगलुरु में न्यू ईयर इव की तैयारी, 20,000 कर्मियों की तैनाती के साथ हाई अलर्ट

बंगलुरु। बंगलुरु में नए साल के जश्न के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी है। राज्य पुलिस ने बंगलुरु भर में लगभग 20,000 कर्मियों को तैनात करके व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। इसमें सिविल पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस , होम गार्ड और सिविल डिफेंस वॉलंटियर शामिल हैं। इनके जरिए भीड़ नियंत्रण, खासकर महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एमजी रोड, कोरमंगला, इंदिरा नगर, व्हाइटफील्ड, इलेक्ट्रॉनिक सिटी में नीलाद्री रोड और बड़े मॉल जैसे इलाके, जहां न्यू ईयर इव के जश्न के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है, वहां कड़ी सुरक्षा रहेगी और ट्रैफिक पर भी पाबंदियां रहेंगी।

पुलिस ने क्या तैयारियां

पुलिस ने बताया कि कई उपाय लागू किए गए हैं, जिनमें चार कंट्रोल रूम, बेहतर निगरानी के लिए कई जगहों पर वॉच टावर, महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क, सुरक्षित क्षेत्रों को चिह्नित करने और मौसम की आपात स्थितियों के लिए छाता-आधारित विज़ुअल इंडिकेटर और लगातार सीसीटीवी से निगरानी शामिल हैं।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बंगलुरु शहर के पुलिस कमिश्नर सीमंत कुमार सिंह ने कहा कि पब में होने वाली गड़बड़ी की घटनाओं से तुरंत निपटा जाएगा और जरूरत पड़ने पर संबंधित जगहों पर ऑपरेशन रोका जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, 'फेशियल रिकग्निशन और एआई-सक्षम कैमरे, ड्रोन सर्विलांस, भीड़भाड़ और असामान्य गतिविधि के लिए रियल-टाइम अलर्ट, और मोबाइल कंट्रोल रूम तैनात किए गए हैं।'

पुलिस के मुताबिक, इंतज़ाम में 78 वॉच टावर, 164 महिला हेल्प डेस्क, 55 एम्बुलेंस और 37 फायर टेंडर शामिल हैं।

संसदीय समिति ने वीबी जी राम जी पर की चर्चा, विपक्ष की मांग- नियम बनाते समय सिफारिशों को...

नई दिल्ली। एक संसदीय समिति ने सोमवार को यूपीए सरकार में लागू हुई ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के विभिन्न पहलुओं की जांच की। इस योजना को अब मोदी सरकार ने अधिनियम के जरिये विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) में बदल दिया है। संसदीय समिति ने यह भी विचार किया कि नए कानून में सुचारू रूप से परिवर्तन के लिए अगले छह महीनों में क्या किया जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसदीय स्थायी समिति के ज्यादातर सदस्य इस बात को लेकर चिंतित थे कि अगले छह महीनों में सरकार की ओर मनरेगा से वीबी-जी राम जी अधिनियम में कार्य नीतियों को स्थानांतरित करने के दौरान यह परिवर्तन कैसे होगा। इस अवधि के दौरान लाभार्थियों को भुगतान कैसे किया जाएगा और अतिरिक्त बजटीय सहायता की व्यवस्था कैसे की जाएगी। सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान किसी भी सदस्य ने वीबी-जी राम जी अधिनियम का विरोध नहीं किया। हालांकि उनमें से कई ने चिंता जताई की कि पुराने कानून के तहत कई राज्यों में नामांकन केवल लगभग 50 प्रतिशत था। सदस्यों ने यह भी कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) अधिनियम को लागू करने में कम से कम छह महीने लगेंगे, क्योंकि इसे नियमों के तैयार होने के बाद ही लागू किया जाएगा।

विपक्ष ने दिया था कार्यदिवसों को 150 दिन करने का सुझाव

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2005 में पारित किया था। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) विधेयक को हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच संसद में पारित किया गया। नए अधिनियम में ग्रामीण श्रमिकों के लिए 125 दिनों के मजदूरी रोजगार का प्रावधान है।

सोमवार को हुई संसदीय समिति की बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि नई प्रणाली और ढांचा कैसा होगा। सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के कुछ सदस्यों ने स्वीकार किया कि मनरेगा में कुछ कमियां थीं, जिनके लिए समिति ने पहले कुछ सिफारिशें की थीं। कुछ विपक्षी सदस्यों ने कहा कि उन्होंने पहले कार्य दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 करने का सुझाव दिया था। सूत्रों के अनुसार उन्होंने यह भी मांग की कि वीबी जी राम जी अधिनियम के नियम तैयार करते समय समिति की ओर से पहले की गई सभी सिफारिशों पर विचार किया जाना चाहिए।

भाजपा सांसदों ने बताया क्यों पड़ी नए कानून की जरूरत?

भाजपा सांसदों ने कहा कि नए कानून की जरूरत थी क्योंकि मौजूदा कानून गांवों की मौजूदा समस्याओं और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का समाधान नहीं कर पा रहा था। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान कुछ सांसदों ने वीबी-जी राम जी अधिनियम लाने के कारणों के बारे में बात की।

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने राय व्यक्त की कि मनरेगा को ग्रामीण रोजगार प्रदान करने और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को विकसित करने के दोहरे उद्देश्यों के साथ लाया गया था। लेकिन उन उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सका और इसीलिए सरकार की ओर से वीबी-जी राम जी अधिनियम लाया गया।

वर्तमान योजना में 26 करोड़ लाभार्थी शामिल

भाजपा सदस्यों ने यह भी कहा कि कई राज्यों से ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां मनरेगा निधि का 50 प्रतिशत भी वहां की सरकारों की ओर से इस्तेमाल नहीं किया जा सका है। समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सप्तगिरि उलका ने कहा कि सदस्यों ने मनरेगा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों में इस पर कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर विचार-विमर्श किया, क्योंकि नया कानून तभी लागू होगा जब नियम तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सदस्य बजट सत्र में भी मनरेगा पर चर्चा करने का इरादा रखते हैं और इन सभी के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से एक ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया था। बैठक के दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव ने मनरेगा पर एक प्रस्तुति दी। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 15 करोड़ से अधिक परिवार और 26 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं।

पुतिन को लेकर ट्रंप ने सबके सामने ऐसा क्या कह दिया, जेलेंस्की नहीं रोक पाए हंसी, वीडियो वायरल

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने का समझौता पहले से कहीं अधिक करीब है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्वी डोनबास क्षेत्र के भविष्य को लेकर अभी भी कुछ जटिल सवाल अनसुलझे हैं। उन्होंने यह बात फ्लोरिडा में रविवार को वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ हुई दो घंटे की बैठक के बाद कही। ट्रंप ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते का मसौदा लगभग 95इ पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुझे सच में लगता है कि हम दोनों पक्षों के साथ पहले से कहीं अधिक करीब हैं, और साथ ही यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इसे होते देखना चाहते हैं।

मीटिंग के बाद दोनों नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ही ट्रंप ने एक ऐसी बात कह दी, जिसे सुन जेलेंस्की अपनी हंसी नहीं रोक पाए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भी चाहता है कि यूक्रेन सफल हो। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को दयालु भी कहा। ट्रंप ने कहा कि रूस चाहता है कि यूक्रेन सफल हो। यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन की सफलता के प्रति बहुत उदार थे। एनर्जी सप्लाई की बात हो या फिर इलेक्ट्रिसिटी की, वह चाहते हैं कि सस्ती कीमतों पर लोगों को यह उपलब्ध हो। ट्रंप की इन बातों पर जेलेंस्की कुछ बोल तो नहीं पाए, लेकिन उनकी हंसी जरूर छूट गई। इस पर उन्होंने ऐसा रिएक्शन दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि पुतिन अब भी शांति चाहते हैं। हालांकि जेलेंस्की के वार्ता के लिए अमेरिका रवाना होने के बीच भी रूस ने यूक्रेन पर फिर हमले किए। ट्रंप और जेलेंस्की ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई जटिल मुद्दे अब भी बाकी हैं जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों का क्या होगा और यूक्रेन के लिए ऐसे सुरक्षा आश्वासन कैसे सुनिश्चित किए जाएं कि भविष्य में उस पर फिर हमला न हो। इस बातचीत के बाद दोनों नेताओं ने यूरोप के कई नेताओं से भी फोन पर बात की जिनमें यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ-साथ फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता शामिल थे।

ट्रंप ने कहा कि बैठक वाशिंगटन में या कहीं और भी हो सकती है। जेलेंस्की ने ट्रंप के प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि यूक्रेन शांति के लिए तैयार है। ट्रंप ने कहा कि वह जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पुतिन से एक बार फिर फोन पर बात करेंगे। इससे पहले रविवार को पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच फोन वार्ता की पहल अमेरिका की ओर से हुई थी और बातचीत मैत्रीपूर्ण, सद्भावनापूर्ण और काम-काज संबंधी रही। उशाकोव के मुताबिक, ट्रंप और पुतिन ने जेलेंस्की से ट्रंप की मुलाकात के बाद शीघ्र फिर बात करने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन धीरे-धीरे समझौते के करीब पहुंच रहे हैं।

बांग्लादेश में जिंदा जलाए जा रहे हिंदू परिवार, कमरे में कपड़े ठूंसकर लगाई आग! यूनुस सरकार खामोश

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला पीरोजपुर जिले के डुमरिया गांव का है, जहां कट्टरपंथियों ने कई हिंदू परिवारों के घरों में आग लगा दी। यह घटना 27 दिसंबर को हुई बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावरों ने पलाश कांति साहा को घर के अंदर बंद कर जिंदा जलाने की कोशिश की। कट्टरपंथियों ने एक कमरे में कपड़े ठूंसकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। इस हमले में पलाश कांति साहा, शिव साहा, दीपक साहा, श्यामलेंदु साहा और अशोक साहा के मकान बुरी तरह जलकर राख हो गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस आगजनी में घरों का सारा सामान नष्ट हो गया, जिसमें फर्नीचर, नकदी, जमीन के दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी कागजात शामिल हैं। पीड़ित परिवारों के सामने अब सिर छुपाने और रोजमर्रा की जिंदगी दोबारा शुरू करने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इससे एक दिन पहले पश्चिम डुमरियातला गांव में भी दो हिंदू परिवारों के पांच घरों को आग के हवाले कर दिया गया था, जिससे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद बांग्लादेश की प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने लिखा कि पीरोजपुर के डुमरितोला गांव में साहा परिवार के पांच कमरों को हिंदू-विरोधी जिहादियों ने जला दिया। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने तड़के सुबह आग लगाई, जब सभी लोग सो रहे थे। तस्लीमा नसरीन ने सवाल उठाया, 'क्या देश के बाकी हिंदू घरों को भी इसी तरह जला दिया जाएगा? वे हिंदुओं को जिंदा जलाना चाहते हैं, इसलिए सोते वक्त आग लगाते हैं। क्या यूनुस सिर्फ बांसुरी बजा रहा है?' गौरतलब है कि इससे पहले चट्टोग्राम के पास भी एक हिंदू परिवार के घर में आग लगाई गई थी। उस घटना में परिवार के सदस्य बाहर से दरवाजे बंद होने के कारण फंस गए थे, लेकिन किसी तरह टीन की चादरें और बांस काटकर जान बचाने में सफल रहे।

हालांकि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया और पालतू जानवरों की मौत हो गई। बांग्लादेश में हालिया दिनों में हालात और बिगड़े हैं। 12 दिसंबर को छात्र नेता उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या के बाद देशभर में हिंसा फैल गई। इस दौरान मीडिया संस्थानों पर हमले हुए और मयमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में हिंदू मजदूर दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, बाद में शव को जला दिया गया। इन घटनाओं के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूनुस सरकार की कड़ी आलोचना हो रही है और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

कंबोडिया-थाईलैंड विवाद में चीन की एंट्री युन्नान में दोनो देशों की करवाई बैठक

बीजिंग **(एजेंसी)**। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हिंसक सीमा विवाद में एक मजबूत मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे चीन के विदेश मंत्री ने सोमवार को दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की। विवादित सीमा के उत्तर में स्थित चीन के युन्नान प्रांत में यह त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक थाईलैंड और कंबोडिया की बीच हफ्तों से जारी लड़ाई को समाप्त करने के लिए एक नए युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के दो दिन बाद हुई। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर हुई लड़ाई में 100 से अधिक लोग मारे गए और सीमा के दोनों ओर से लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। युन्नान प्रांत में बैठक के बाद थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ ने पत्रकारों से कहा, ''हम सभी मुद्दों को हल नहीं कर सके हैं लेकिन मुझे लगता है कि हम सही दिशा में प्रगति कर रहे हैं और हमें इस गति को बनाए रखना होगा।'' उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकताएं स्थायी युद्धविराम सुनिश्चित करना और विश्वास बहाली है। चीन के वैश्विक स्तर पर एक आर्थिक और राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने के साथ, पिछले एक दशक से अधिक समय से राजनयिक मामलों में तीसरे पक्ष के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने के लिए उसने विभिन्न तरीकों से काम किया है। सोमवार को हुई बैठक के दौरान, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया - जो इस तरह की स्थितियों में चीन की विशिष्ट भाषा है। कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नवीनतम युद्धविराम कायम रहेगा और दोनों देशों को मतभेदों को सुलझाने के लिए पहले से सहमत तरीकों को फिर से अपनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा।

बांग्लादेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर
चुनावी जंग में उतरा खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान ने दाखिल किया नामांकन

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने आगामी राष्ट्रीय संसदीय चुनावों के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। वह ढाका-17 संसदीय क्षेत्र से 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में किस्मत आजमाएंगे। सोमवार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान का नामांकन सोमवार दोपहर करीब 12 बजे ढाका डिवीजनल कमिश्नर कार्यालय, सेगुनबागीचा में जमा किया गया। उनकी ओर से बीएनपी चेयरपर्सन के सलाहकार अब्दुस सलाम और बांग्लादेश डॉक्टर्स एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर डॉ. फरहाद हलीम डोनार ने यह प्रक्रिया पूरी की। नामांकन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए अब्दुस सलाम ने कहा कि 17 वर्षों के निर्वासन के बाद तारिक रहमान की वापसी पर ढाका के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि ढाका-17 के मतदाता फरवरी 12 के चुनाव में स्वतःस्फूर्त रूप से उनके पक्ष में मतदान करेंगे। इससे एक दिन पहले बांग्लादेश चुनाव आयोग ने तारिक रहमान का नाम मतदाता सूची में शामिल करने को मंजूरी दी थी। चुनाव से कुछ सप्ताह पहले मतदाता सूची में शामिल होना उनके लिए एक अहम राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारे हदें पार करता चला जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसी निर्भरता का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद कर दिया।

बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे तो जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर स्विच करना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)